SHAHEED NANDKUMAR PATEL VISHWAVIDYALAYA, RAIGARH (C.G.)

(A State University Established Under Chhattisgarh Vishwavidyalaya Adhiniyam, 1973)

Scheme and Syllabus

Of

Bachelor of Education

Year- First

W.E.F. Session :- 2023-24

Syllabus Approved by the Central Board of Studies

B.Ed. SYLLABUS:

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	PHILOSOPHICAL PERSPECTIVE OF EDUCATION शिक्षा का दार्शनिक दृष्टिकोण		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 101
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• छात्रों को समाज में उनके व्यवसाय के प्रति उसकी सराहना करने में मदद करना। • ऐसा सीखने का माहौल तैयार करना जो सिद्धांत और व्यवहार को एकीकृत करता हो इससे परिचित होगे • विशेष रूप से शांति, न्याय, समानता और बंधुत्व के मूल्यों का पोषण करना। • छात्रों को विविध छात्र आबादी की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने में सक्षम बनाना। • छात्रों को सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक बनने के लिए प्रोत्साहित करना • विभिन्न संगठनों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से शिक्षा को पुनर्जीवित करना • भावी शिक्षकों को एक उत्तेजक और उत्प्रेरक वातावरण प्रदान करना जो उत्कृष्टता की उपलब्धि के लिए दृष्टिकोण में भविष्य और परिप्रेक्ष्य में समग्र दोनों है। • शैक्षणिक प्रथाओं, व्यावहारिक शिक्षण अनुभव और शिक्षण और सीखने के उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी के समावेश के साथ सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना।
5.	CREDIT VALUE	4
6..	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL : 20 / EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT-I **शिक्षा के लक्ष्य**	• शिक्षा प्रकृति और अर्थ समय और स्थान के संबंध में इसके उद्देश्य/उद्देश्य। • पश्चिमी संदर्भ में शैक्षिक उद्देश्य: रसेल, डेवी के विशिष्ट संदर्भ में। शिक्षा पर उनका प्रभाव व शिक्षा में प्रगतिशील प्रवृत्तियों के संदर्भ में क्लास रूम अभ्यास • गांधी, टैगोर जैसे भारतीय विचारकों के विशिष्ट संदर्भ में भारतीय संदर्भ में शैक्षिक उद्देश्य। • दर्शन और शिक्षा: शैक्षिक प्रथाओं और समस्या को समझने में दर्शनशास्त्र के अध्ययन का महत्व।	8
UNIT II • दार्शनिक प्रणाली	• "प्रमुख दार्शनिक प्रणालियाँ - उनकी मुख्य विशेषताएं और शिक्षा पर उनका प्रभाव. • यथार्थवाद: अरस्तू और जैन धर्म के संदर्भ में । • प्रकृतिवाद! दृष्टि के संदर्भ में रूसो और रवींद्र नाथ टैगोर का दर्शन • आदर्शवाद: प्लेटो, सुकरात और अद्वैत दर्शन के संदर्भ में • व्यवहारवाद: डेवी के "वाद्यवाद और प्रयोगवाद" के संदर्भ में • मानवतावाद: ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और बौद्ध के संदर्भ में • रचनावाद: शिक्षण, विधि और शिक्षक की भूमिका।	10
UNIT-III **भारतीय विचारक**	• शैक्षिक विचारक और शिक्षा के सिद्धांतों के विकास में उनका योगदान. • एम.के.गांधी: वर्धा शिक्षण / शिक्षा और जीवन शिक्षा। • गिज्जू भाई: बच्चे की दुनिया। • स्वामी विवेकानंद : मानव निर्माण शिक्षा। • जे.कृष्णा मूर्ति; बाल केन्द्रित शिक्षा। • डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम: प्रौद्योगिकी उन्नत शिक्षा।	8

UNIT-IV पश्चिमी विचारक	• जॉन हेनरिक पेस्टलोज़ी: • फ्रेडरिक फ्रोबेल: • जॉन लॉक (शास्त्रीय उदारवाद) • पाउलो फ्रेयर (लोकतांत्रिक शिक्षा) • बर्ट्रेंड रसेल:	8
UNIT-V समकालीन विचार	• पश्चिमी और भारतीय विचारकों की अवधि और सामाजिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक और तुलनात्मक अध्ययन। • शिक्षा के समकालीन दार्शनिक दृष्टिकोण; आधुनिकीकरण, विचार और शिक्षा में वैश्वीकरण	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
AnandC.L.et.al.	: Teacher and Education in EmergingIndia,	NCERT, New Delhi.
Anant Padmnabhan	: Population Education in Classrooms,	NCERT,NewDelhi.
Bhatnagar,S.:	Adhunik Bhartiya Shiksha Aur Uski Samasyayen,.	LyallBookDepot,Meerut
ChakravortyM.	: GandhianDimension in Education.	Daya Publishing House New Delhi
KalamAbdul, A.P.J. (1998).	India 2020-A Vision for the New Millenium,	Penguin Bools India Ltd.
Ministryof HumanResourceDevelopment	:National Policy on Education,1896, NewDelhi.	Sterling Publication,NewDelhi.
MohantyJagannath:	Indian Education inEmergingSociety,	
ManiR.S	.:Educational ideas and ide als of Gandhiand Tagore,	NewBookSociety,NewDelhi.
Pathak and Tyagi :	ShikshakeSamnyaSiddhant,	VinodPustakMandir,Agra.
Pandey,Shyam Swaroop	:Shikshaki Darshanik evam Samajik Shastriya PurshtBcomi.	VinodPustakMandir,Agra
Sharma, K. Yogendra	The Doctrines of the Great Western Educators (From Plato to Bertrand Russell)	Kanishka Publication, New Delhi.
Dr.VikrantMishra,	The Educational Thoughts of APJ Abdul Kalam	(http//www.educationindiajournal.org

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION				
PROGRAM: B.ED.SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)		YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	NAI TALIM: AN EXPERIENTIAL LEARNING नई तालीम: एक प्रायोगिक शिक्षा			
1.	PROGRAM CODE	0801		
2.	COURSE CODE	BED. 102		
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I		
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• शिक्षक शिक्षा में स्थानीय समुदाय की भागीदारी की अवधारणा को समझें • विभिन्न पृष्ठभूमियों और व्यवसायों के बच्चे के संदर्भ को समझें। • उन स्कूली शिक्षा कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जानें जिनमें स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव पहलू हैं • स्थानीय संदर्भ में पाठ को बच्चे/शिक्षार्थी से जोड़ने की प्रक्रिया जानें • स्थानीय समुदाय के जुड़ाव के रचनात्मक दृष्टिकोण से पारंपरिक को अलग करें • सामुदायिक जुड़ाव की संवाद पद्धति के उपयोग में प्रशिक्षण • स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव के लिए जैविक बौद्धिक दृष्टिकोण के उपयोग में प्रशिक्षण • सामुदायिक जुड़ाव में सर्वोतम प्रथाओं की अनुभवात्मक शिक्षा • स्थानीय सामुदायिक सेवा में प्रभावी रूप से भाग लें • अपमान और स्वदेशी मॉडल पर अंतर्दृष्टि और क्षेत्र की वास्तविकताओं का विकास करना। • ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए टैगोर, गांधी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के मॉडल को समझें और उनका अभ्यास करें • आत्मनिर्भरता के लिए उद्यमिता के लिए कला, शिल्प के मॉडल का अन्वेषण करें।		
5.	CREDIT VALUE	4		
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20	
			EXTERNAL:80	

PART B- CONTENT OF COURSE - पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT- I नई तालीम-एक परिचय	• नई तालीम का परिचय और भारतीय संदर्भ में इसका महत्व, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। • नई तालीम की अवधारणा, उद्देश्य, उद्देश्य और दायरा • बुनियादी शिक्षा के मुख्य सिद्धांत • NCF-2005, NCFTE-2010 में नई तालीम, • आरटीई-2009 और इसके शैक्षिक निहितार्थ	8
UNIT II नई तालीम के सामाजिक और दार्शनिक परिप्रेक्ष्य	• गांधीवादी विचार और दर्शन • गांधीवादी दर्शन और शिक्षा के उद्देश्य • शिक्षा के मॉडल, सीखने का दृष्टिकोण- रचनावाद, पाउलो फ्रेयर क्रिटिकल अध्यापन और संवाद पद्धति • प्राथमिक, मध्य और माध्यमिक स्तर पर पाठ्यक्रम की रूपरेखा	8
Unit III: कार्य आधारित शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी	• सामुदायिक भागीदारी का सिद्धांत • नई तालीम और शिल्प शिक्षा • नई तालीम और नैतिक शिक्षा • स्कूल और समाज की एजेंसियां • स्वयं सहायता समूह	8
Unit IV: कौशल विकास की योजना और संगठन	• कौशल विकास के तरीके • प्रायोगिक शिक्षा और ग्रामीण शिक्षा की स्थापना • ज्ञान को स्कूल के बाहर के जीवन से जोड़ना। • डिजिटलीकरण का निष्पादन • अक्षय ऊर्जा का महत्व	8

Unit V: • स्वास्थ्य और स्वच्छता	• पोषण - संतुलित आहार • संचारी और गैर संचारी रोग और उसकी रोकथाम • प्राथमिक चिकित्सा • व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वच्छता	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
. Ministry of Education, GOI. 1949	*Report of the University Education Commission*	(1948-49), New Delhi.
	Report of the Secondary Education Commission	(1952-53), New Delhi.
	Report of the Secondary Education Commission	(1964-66), New Delhi
	Report of the Secondary Education Commission	(1983-84), New Delhi
MHRD, GOI	*National Policy on Education,*	(1986)New Delhi.
NCERT. 2005.	*National Curriculum Framework–Report of the Focus Group on Aims of Education,*	New Delhi
Dewey, John. 2010.	*Essays in Experimental Logic*, Aakar Books,	NewDelhi.
Russell, Bertrand. 2003.	*Human Knowledge.* Routledge,	London
: Swami Satprakashanand a. 1995	*Methods of Knowledge according to Advaita*	
Vedanta. Advaita	Ashrama(Publication Department),	Calcutta.
NCERT	National Council of Educational Research and Training	, New Delhi.
Locke, John. 1690.	*An Essay Concerning Human Understanding.*	
Lewis, C.L. 1929.	*Mind and the World-order.* Dover Publications Inc.,	New York.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	PEDAGOGY TEACHING OF HINDI हिंदी शिक्षण शास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 103 A
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• भाषा के अलग–अलग भूमिकाओं को जानना • भाषा के स्वरूप और व्यवस्था को समझना • स्कूल की भाषा, बच्चों की भाषा और समझ के बीच के संबंध को जानना • भाषा के संदर्भ में पढ़ने के अधिकार, शांति और पर्यावरण के प्रति सचेत होना • भाषा सीखने के तरीके और प्रक्रिया को जानना और समझना • पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण कर कक्षा विशेष और बच्चों की समझ के अनुसार ढालना • भाषा और साहित्य सम्बंध को जानना • हिंदी भाषा के विविध रूपों और अभिव्यक्तियों को जानना • भावों और विचारों की स्वतंत्रा अभिव्यक्ति करना • अनुवाद के महत्व और भूमिका को जानना • विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता को पहचानना • भाषा के मूल्यांकन की प्रक्रिया कोजानना • भाषा सीखने–सिखाने के सृजनात्मक दृष्टिकोण को जानना
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 / INTERNAL : 20 / EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS प्रकरण**	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT-I **भाषा की भूमिका**	1 **समाज में भाषा**–भाषा और लिंग, भाषा और सत्ता भाषा और अस्मिता, भाषा और वर्ग 2 **विद्यालय में भाषा**– घर की भाषा और स्कूल की भाषा, समझ का माध्यम (बच्चे की भाषा) समूचे पाठ्यक्रम में भाषा, ज्ञान सृजन और भाषा, माध्यम भाषा एक आलोचनात्मक दृष्टि, विषय के रूप मे भाषा और माध्यम भाषा में अंतर, विविध भाषिक प्रयुक्तियॉं बहुभाषिक कक्षा, शिक्षक–शिक्षार्थी संबंध के पहलू के रूप में भाषा 3 **संविधान और शिक्षा समितियों के रिपोट में भाषा–भाषाओं की स्थिति (धारा 343–351,350) कोठारो कमोशन (64से 66) राष्टोय शिक्षा नोति–1986,** **पो.आ 2005 (भाषा अध्ययन) ए–1992, राष्ट्रीय पाठ्यचया–** **गतिविधि / पोर्टपफोलियो** **पशिक्षण के दौरान** छोटे समूह में बांट कर भारतीय भाषाओं के लिए निर्मित पोजीशन पेपर का अध्ययन और उस पर चर्चा। • विज्ञान, समाजविज्ञान और गणित की कक्षा VI से VII की किताबों से कुछ अंश चुनकर निम्नलिखित बिदुंओ को ध्यान में रखते हुए विश्लेषण करिए– • विभिन्न भाषिक प्रयुक्तियों को कैसे प्रस्तुत किया गया है। • उस अंश में प्रयुक्त भाषा विषय संबंधीभाव स्पष्ट करने मे कहाँ तक समर्थ है। • बच्चे के स्तर के अनुरूप हैं? • क्या इसमें तकनीकी भाषा का बहुत इस्तेमाल किया गया है ? • क्या यह भाषा सीखने में सहायक है? **कक्षा–शिक्षण के दौरान** कक्षा–शिक्षण के दौरान बच्चो के परिवेश और उनकी भाषा के बारे में जानकारी प्राप्त करे और बहुभाषि कता को स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते हुए हिंदी शिक्षण की एक कक्षा–प्रविधि तैयार करें **परियोजना कार्य** • संविधान में भारतीय भाषाओं संबंधी अनुसंशाऍं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पी.ओ.ए.द्वारा संस्तुत भाषा संबंधी सिफारिशों पर एक रिपोर्ट तैयार करना । • कक्षा छह से बारह तक के हिंदी की किताबों मे लिंग और शांति संबंधी बिंदुओं की सूची तैयार कर उसके लिए कक्षा प्रविधि तैयार करना। • अपने आस–पास के पांच स्कूलो का दौराकर यह जानकारी प्राप्त करते हुए एक रिपोर्ट तैयार करें कि त्रिभाषा सूत्र की क्या स्थिति है?	8

UNIT II **हिंदी भाषा की स्थिति और भूमिका**	**हिंदी भाषा की भूमिका** : स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद हिंदी, हिंदी के विविधरूप, अंतर्राष्ट्रीय स्तरपर हिंदी ज्ञान की भाषा के रूप में हिंदी, हिंदी पढ़ने–पढ़ाने की चुनौतियाँ। **गतिविधि / पोर्टफोलियो** **पशिक्षणकेदौरान** • स्वातन्त्र्योतर भारत में हिंदी की भूमिका पर समूह में चर्चा करें। • जब शब्द नहीं रहते तब शस्त्र उठते हैं विषय पर परिचर्चा का आयोजन **कक्षा–शिक्षण के दौरान** • चुने हुए कुछ कक्षाओ में बच्चों की भाषा का जायजा लेते हुए हिंदी के विविध रूपो पर एक रिर्पोट तैयार करें। • रोजमर्रा की जिंदगी मे प्रयोग होने वाली कम से कम बीस क्रियाओं, जैसे नहाना, आना, पकाना,जाना आदि को कक्षा में मौजूद बच्चे किस–किस तरह से प्रयोग करते हैं–इस आधार पर सूची बनाएँ **परियोजना कार्य** • इस इकाई में दिए गए विषयों को ध्यान में रखते हुए एक प्रश्नावली तैयार करें, दस व्यक्तियों का साक्षात्कार करे इस साक्षात्कार के आधारपर हिंदी की स्थिति पर एक रिर्पोट लिखें। • हिंदी भाषा के विकास में क्षेत्रीय जनपदीय हिंदी की भूमिका पर आलेख पाठ करें। (हरेक विद्यार्थी अपने क्षेत्र विशेष को ध्यान में रखते हुए आलेख तैयार करे	8
Unit III: **भाषा शिक्षण पर एकदृष्टि**	(हिंदी में विज्ञान,गणित,समाजविज्ञान और कला सब कुछ है पर ये विषय स्वयं हिंदी या भाषा नहीं हैं।) **भाषा सीखने सिखाने की विभिन्न दृष्टियाँ**– भाषा अर्जन और अधिगम का दार्शनिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक आधार, समग्र भाषा दृष्टि, रचनात्मकदृष्टि, भाषा सीखने–सीखाने की बहुभाषिक दृष्टि आदि (जॉन डुई, ब्रूनर, जे.प्याजे, एल.वायगात्स्की, चॉम्स्की आदि) भारतीय भाषा दृष्टि (पाणिनी, कामता प्रसादगुरु,किशोरी दास वाजपेयी आदि) **भाषाशिक्षण की प्रचलित विधियाँ / प्रणालियाँ और उनका विश्लेषण**–व्याकरण अनुवाद प्रणाली, प्रत्यक्ष प्रणाली, ढाँचा गत प्रणाली, प्राछतिक प्रणाली,उद्देश्यपरक (अन्तर्विषयक / अन्तर्अनुशासनात्मक) संप्रेषणात्मक प्रणाली आदि। **गतिविधि / पोर्टफोलियो** **पशिक्षणकेदौरान** • 'मातृभाषा और अन्य भाषा'विषय पर छोटे समूह में चर्चा करें। **कक्षा शिक्षण के दौरान** • भाषा की कक्षा में रचनात्मक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए चार गतिविधियाँ तैयार करें।	8

	परियोजना कार्य • विविध राजभाषा शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन करते हुए उनका विश्लेषण कीजिए।	
Unit IV: **भाषा का स्वरूप**	(कोई व्याकरण भाषा की चाल को बदल नहीं सकता। भाषा लोकव्यवहार से परिचालित होती है।) **1. भाषायी व्यवहार के विविध पक्ष**–नियमबद्ध व्यवस्था के रूप में भाषा: भाषायी परिवर्ननशीलता (उच्चारण वेफ संदर्भ मे) हिंदी की बोलियाँ वाक् तथा लेखन। **2. भाषायी व्यवस्थाएं**– सार्वभौमिक व्याकरण की संकल्पना, अर्थ की प्रकृति तथा संरचना, वाक्य विज्ञान तथा अर्थविज्ञान की मूलभूत संकल्पनाएँ स्वनिमविज्ञान और रूप विज्ञान, (उपयुक्त उदाहरण देकर पढ़ाए जाएंगे) **<u>गतिविधि/पोर्टफोलियो पशिक्षण/कक्षा</u> शिक्षण के दौरान** 'लिखित और मौखिक भाषा में अंतर' विषय पर समूह में चर्चाकरें	8
UNIT :V **भाषायी दक्षताएँ**	**1. संदर्भ में भाषा**– संदर्भ में व्याकरण और संदर्भ में शब्द **2. भाषायी दक्षताएँ**–सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना • **सुनना और बोलना**–सुनने का कौशल, बोलने का लहजा–भाषाई विविधता और हिंदी पर इसका प्रभाव, पढ़ने–पढ़ानेपर इसका प्रभाव , सुनने और बोलने के कौशल विकास के स्रोत और सामग्री, रोलप्ले, कहानी सुनाना, परिस्थिति के अनुसार संवाद, भाषा लैब, मल्टीमीडिया तथा मौलिक सामग्री की सहायता से संप्रेषणात्मक वातावरण का निर्माण • **पढ़ना** –पढ़ने के कौशल,पढ़ने के कौशल विकास मे समझ का महत्व, मौनऔर मुखरपठन, गहन–पठन, विस्तृतपठन, आलोचनात्मक पठन,पढ़ने के कौशलविकास में सृजनात्मक साहित्य (कहानी, कविता आदि) सहायक, थिसॉरस, शब्दकोश और इन्साइक्लोपीडिया का उपयोग/महत्व • **लिखना**–लिखने के चरण, लेखन–प्रक्रिया, सृजनात्मक लेखन, औपचारिक और अनौपचारिक लेखन (कहानी,कविता, संवाद, डायरी, पत्र,रिपोर्ट, समाचार आदि) **गतिविधि/पोर्टफोलियो** • सभी भाषायी कौशलों के सीखने से सम्बंधित 4–4 गतिविधियाँ तैयार करें और उनका कक्षाशिक्षण के दौरान प्रयोग करें। • पढ़ने के कौशल विकास को ध्यान मे रखते हुए कक्षा छह हिंदी के विद्यार्थी के लिए तीन गतिविधियाँ तैयार करे और उनका कक्षा शिक्षण के दौरान प्रयोग करें। • सभी विद्यार्थी कक्षा छह से आठ के हिंदी पाठ्यपुस्तकों से संदर्भ में व्याकरण के दस नमूने इकटठा करें और उनपर समूह में चर्चा करें। **परियोजनाकार्य** • सुनने और बोलने मे असमर्थ बच्चो को ध्यान मे रखते हुए हिंदी शिक्षण की दो गतिविधियाँ तैयार करें	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
भाई योगेन्द्रजीत	हिन्दी भाषा शिक्षण,	विनोद पुस्तक मंदिर आगरा.
.क्षत्रिय के	मातृभाषा शिक्षण,	विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
लाल रमन बिहारी	हिन्दी शिक्षण,	रस्तोगी पब्लिकेशन.मेरठ
शर्मा,डॉ. लक्ष्मीनारायण	भाषा 1,2 की शिक्षण विधियाँ और पाठ नियोजन,	,विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
शर्मा,राजकुमारी	हिन्दी शिक्षण,	राधा प्रकाशन मंदिर आगरा
सिंह सावित्री	हिन्दी	स्थल बुक डिपो मेरठ
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)	
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	**CLASS: (SEMESTER I)**	**YEAR: 2022**	**SESSION: 2022-24**
SUBJECT	**PEDAGOGY OF LANGUAGE (ENGLISH)**		

1.	PROGRAM CODE	**0801**
2.	COURSE CODE	**BED. 103 B**
3.	COURSE TITLE	**B.Ed. SEMESTER I**
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• Understand the different roles of language; • Understand the relation between literature and language; • Understand and appreciate different registers of language; • Develop creativity among learners; • Understand the role and importance of translation; • Understand the use of language in context, such as grammar and vocabulary; • Develop activities and tasksfor learners; • Understand the importance of home language and school language and the role of mother tongue ineducation; • Use multilingualism as a strategy in the classroom situation; • Develop an understanding of the nature of language system; • Understand about the teaching of poetry, prose and drama; • Identifymethods,approachesandmaterialsfor teaching Englishat various levels in the Indian context; • Understand constructive approach to language teaching and learning;
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	**MAXIMUM MARKS: 100** — **INTERNAL :20**, **EXTERNAL:80**

PART B- CONTENT OF COURSE		
UNIT	**TOPICS**	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT I: **ROLE OF LANGUAGE**	1. LANGUAGEANDSOCIETY: Language and Gender; Language and Identity; Language and Power; Language and Class (Society). 2. LANGUAGE IN SCHOOL:Home language and School language; Medium of understanding (child's own language); Centralaity of language in learning; Language across the curriculum; Language and construction of knowledge; Difference between language as a school-subject and language as a means of learning and communication; Criticalre view of Medium of Instruction; Multilingual classrooms; Multicultural awareness and language teaching. 3. CONSTITUTIONAL PROVISIONS AND POLICIES OF LANGUAGE EDUCATION:Position of Languages in India; Articles 343-351 ,350A; Kothari Commission (1964-66) : NPE- 1986; POA-1992; National Curriculum Framework-2005 (language education).NPE 2020. **Activities:** Discussion on Position paper on 'Teaching of English' • Position paper on 'Teaching of Indian Languages' • 'Multilingualism as a Resource' • Analysis of advertisements aired on Radio/Television on the basis of language and gender. • Take a few passages from Science, Social Science and Maths text books of Classes VI to VII and analyses: (i) How the different registers of language have been introduced? (ii) Does the language clearly convey them eaning of the topic being discussed? (iii) Is the language learner-friendly? (iv) Is the language too technical? (v) Does it help in language learning? • Now write an analysis based on the above issues. **Project** • Preparea report on the status of languages given in the Constitution of India and language policies given in Kothari Commission, NPE-SYLLABUS FOR TWO-YEAR BACHELOR OF EDUCATION 1986, and POA-1992. • Visit five schools in the neighbourhood and prepare a report on the three language formula being implemented in the schools. • Teaching Practice	8

	• Talk to the students and find out the different languages that they speak. • Prepare a plan to use multilingualism as a strategy in the English classroom. • On the basis of the English Text books (VI to XII) prepare a list of Topics and activities given on: (i) Language and Gender (ii) Language and Peace.Write a report on their reflection in the text books.	

UNIT II:
POSITION OF ENGLISH IN INDIA
	• ROLE OF ENGLISH LANGUAGE IN THE INDIAN CONTEXT:Englis has a colonial language,
	• English in Post-colonial times; English as a language of knowledge; Position of English as second language in India; English and Indian languages; English as a link language in global context; challenges of teaching and learning English.
	• Activities
	  • Discuss in groups how the role of English language has changed in the twenty- first century.
	  • Topic for Debate:Globalisation and English
	  • Discussion on the topic 'War Begins When Words Fail'
	  • Keeping in view the topics given in this unit, prepare a questionnaire.
	  • Interview ten people and write a report on 'English Language in India'.
	• Project:
	  • Do a survey of five schools in your neighbourhood to find out:
	  1. Level of Introduction of English
	  2. Materials (textbooks) used in the classroom
	  • Prepare a report on the challenges face by the teachers and the learners in the teaching-learning process.
		8

UNITIII: **AN OVERVIEW OF LANGUAGE TEACHING**	DIFFERENT APPROACHES/THEORIES TO LANGUAGE LEARNING AND TEACHING (MT & SL) • Philosophical, social and psychological bases of approaches to Language acquisition and Language learning; inductive and deductive approach; whole language approach; constructive approach; multilingual approach to language teaching (John Dewey,Bruner,J.Piaget,L.Vygotsky,Chomsky,Krashen), and Indian thought on language teaching. A CRITICAL ANALYSIS OF THE EVALUATION OF LANGUAGE TEACHING METHODOLOGIES:	8

	• Grammar translation method, direct method, Structural-situational method, bilingual method, communicative approach.
	• Activities
	  • Discussion on the topic 'Mother Tongue and Other Tongue'
	• Project
	  • Do a comparative study of positive features and weaknesses of different approaches to language learning.
	• TeachingPractice
	• Prepare four activities keeping in view 'Constructivism in a Language Classroom'.	

UNIT IV: **NATURE OF LANGUAGE**	1. ASPECTS OF LINGUISTIC BEHAVIOUR: Language as a rule-governed behavior and linguistic variability; Pronunciation—linguistic diversity, its impact on English, pedagogical implication; Speech and writing. 2. LINGUISTIC SYSTEM: The organization of sounds; the structure of sentences; The concept of Universal grammar; Nature and structure of meaning; Basic concept in phonology, morphology, syntax and semantics; Discourse. **Activities** • Have a discussion on thetopic 'Difference Between Spoken and Written Language'.	8

UNIT V:
ACQUISITION OF LANGUAGE SKILLS
	1. Grammar in context; vocabulary in context
	2. Acquisition of language skills: Listening, speaking, reading and writing.
	• Listening and Speaking: Sub skills of listening:Tasks; Materials and resources for developing the listening and speaking skills: Storytelling, dialogues, situational conversations, role plays, simulations, speech, games and contexts, language laboratories, pictures, authentic materials and multimedia resources
	• Reading:Sub skills of reading; Importance of understanding the development of reading skills; Reading aloud and silent reading; Extensive and intensive reading; Study skills, including using thesauruses, dictionary, encyclopedia, etc.
	• Writing:Stages of writing; Process of writing; Formal and Informal writing, such as poetry, short story,letter, diary, notices, articles, reports, dialogue, speech, advertisement, etc; Reference skills; Study skills; Higherorder skills.
	• Activities
	  • Collect ten examples of Grammar in context from EnglishText books of Classes VI to VIII and have a group discussion.
	  • Teaching Practice
		8

	• Prepare activities for listening, speaking, reading and writing.(5Each) • Prepare three activities to develop the reading skills of Class VI students. Project • Keeping in view the needs of the children with special needs prepare two activities for English teachers.	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Bond,LGetal(1980) :	ReadingDifficulties–TheirDiagnosisandCorrection,	NewYork,Appleton – CenturyCrafts.
.Byrne,D (1975):	TeachingWriting,London,	London,Longman.
Choudhary,N.R.(2002):	EnglishLanguageTeaching,	HimalayaPublishHouse. Mumbai
David,E(1977):	ClassroomTechniques-ForeignLanguagesandEnglishasaSecondLanguage,	New York, HarcourtBrace. 30
Grillett, M (1983):	DevelopingReadingComprehension,	London,CUP.
HalbeMalati,(2005) :	MethodologyofEnglishTeaching,	HimalayaPublishHouse,Mumbai
Johnson, K (1983):	CommunicativeSyllabusDesignandMethodology,	Oxford,PergamonPress.
:Morgan&Rinvoluri (1991):	New Ways of Dictation,	London,Longman.
Mukalel,J.C.(1998):	ApproachestoEnglishLanguageTeaching,SterlingPublishingHouse	,NewDelhi.
Parrot, M (1993):	Tasks for the ClassroomTeacher,	London,Pergamon.
Sharma,K.L.:	Methods of 'TeachingEnglish inIndia.	
Sachdeva,M.L.:	ANew Approach to Teachingof English inIndia	
Valdmen.,(1987)	"Trends inLanguage Teaching,	New York,LondonMac Graw Hill.
Widdowson, HG (1979):	TeachinglanguageasCommunication,	London,OUP.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	**CLASS: (SEMESTER I)**	**YEAR: 2022**	**SESSION: 2022-24**
SUBJECT	**PEDAGOGY OF SOCIAL SCEINCES** सामाजिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	**0801**	
2.	COURSE CODE	**BED. 103 C**	
3.	COURSE TITLE	**B.Ed. SEMESTER I**	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• सामाजिक विज्ञान की प्रकृति की समझ विकसित करने के लिए, दोनों व्यक्तिगत विषयों में सामाजिक विज्ञान शामिल हैं, और सामाजिक विज्ञान के अध्ययन के एक एकीकृत / अंतःविषय क्षेत्र के रूप में भी; • सामाजिक विज्ञान शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं की एक अवधारणात्मक समझ हासिल करने के लिए • छात्र शिक्षकों को कक्षाओं में प्रचलित शैक्षणिक प्रथाओं की आलोचनात्मक रूप से जांच करने और वांछित परिवर्तनों को प्रतिबिंबित करने में सक्षम बनाना; • सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम का प्रभावी ढंग से विश्लेषण और संचालन करने के लिए बुनियादी ज्ञान और कौशल हासिल करना। • व्यापक शिक्षण-अधिगम रणनीतियों को जानना ताकि इसे जीवन के लिए सुखद और प्रासंगिक बनाया जा सके; • सामाजिक मुद्दों और सरोकारों को जिम्मेदार तरीके से संभालने के लिए छात्र शिक्षकों को संवेदनशील और लैस करना, जैसे, पर्यावरण का संरक्षण, आपदा प्रबंधन, • समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना, सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों के सामाजिक बहिष्कार को रोकना और तेजी से घटते प्राकृतिक संसाधनों (पानी, खनिज, जीवाश्म ईंधन आदि) की बचत करना।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	**MAXIMUM MARKS: 100**	**INTERNAL : 20**
			EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT I: • एक के रूप में सामाजिक विज्ञान अध्ययन का एकीकृत क्षेत्र: प्रसंग और चिंताएं	• प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के बीच भेद: स्कूलों में प्रमुख सामाजिक विज्ञान अनुशासन। • विभिन्न सामाजिक विज्ञानों के बारे में 'सामाजिक' क्या है? • अनुशासन के साथ-साथ अनुशासन की विशिष्टता • बच्चे की प्राकृतिक जिज्ञासा को मौसम, वनस्पतियों और जीवों, स्थानिक और सामयिक संदर्भों, महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक मुद्दों और वर्तमान भारतीय समाज की चिंता जैसी प्राकृतिक घटनाओं से जोड़ना। • व्याख्याओं और तर्कों के निर्माण के लिए कई दृष्टिकोण/दृष्टिकोणों की बहुलता।	8
UNIT II: • सामाजिक विज्ञान में शिक्षण-अधिगम संसाधन	• संसाधन के रूप में लोग: मौखिक डेटा का महत्व। • प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों के प्रकार: फ़ील्ड, पाठ्य सामग्री, पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, आदि से डेटा। • माध्यमिक स्रोतों और संदर्भ सामग्री, जैसे शब्दकोशों और विश्वकोश के लिए पुस्तकालय का उपयोग करना। • विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री: एटलस का उपयोग सामाजिक विज्ञान के लिए स्रोत हैं; मानचित्र, ग्लोब, चार्ट, मॉडल, ग्राफ़, दृश्य। • ऑडियो-विजुअल एड्स, सीडी-रोम, मल्टीमीडिया, इंटरनेट।	8
UNITIII: • भारत में स्कूलों के लिए सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम	• पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया: राष्ट्रीय और राज्य स्तर। स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों के लिए किसी भी राज्य बोर्ड और सीबीएसई के सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम-उद्देश्यों और इनके उद्देश्यों, सामग्री संगठन और प्रस्तुति का अध्ययन करना।	6

UNIT IV: **शिक्षण-सीखना** **भूगोल-अंतरिक्ष,** **संसाधन और विकास**	• अर्थ, प्रकृति और भूगोल का दायरा: वर्तमान रुझान • शिक्षण और सीखना भूगोल में प्रमुख विषय-वस्तु और प्रमुख अवधारणाएं* • *स्थान: निरपेक्ष (चंचल और देशांतरों की ग्रिड प्रणाली) और सापेक्ष स्थान: पृथ्वी की सतह पर स्थानों और लोगों की स्थिति का वर्णन करने के दो तरीके। साइटों (स्थान) और स्थिति (स्थान) के बीच अंतर। • *स्थान: उन स्थानों की विशिष्ट भौतिक और मानवीय विशेषता जो एक दूसरे से अलग करते हैं। • *आंदोलन: अंतरिक्ष में अन्योन्याश्रयता और अंतःक्रिया, लोगों का प्रवास, परिवहन और संचार; व्यापार और वाणिज्य, केंद्रों के पैटर्न, रास्ते और आंतरिक भूमि। • *क्षेत्र: गठन और परिवर्तन। • उपरोक्त सामग्री का उपयोग भूगोल में शिक्षण, सीखने की रणनीति और कौशल विकास को समझने के लिए किया जा सकता है।* • भूगोल में कौशल विकसित करना • भौतिक और सामाजिक विशेषताओं और घटनाओं का अवलोकन, रिकॉर्डिंग और व्याख्या, • छात्र संस्थान के विजन और मिशन, रणनीतिक योजना/निरंतर सुधार, पाठ्यक्रम पहल, छात्र सहायता और प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन में भाग लेकर नेतृत्व का प्रदर्शन करेंगे; और नैतिक और न्यायसंगत व्यवहार के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। छात्र संस्थान के विजन और मिशन के कार्यान्वयन, रणनीतिक योजना/निरंतर सुधार, पाठ्यक्रम पहल, छात्र सहायता और प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन में भाग लेकर नेतृत्व का प्रदर्शन करेंगे; और नैतिक और न्यायसंगत व्यवहार के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। • भूगोल में शिक्षण रणनीतियाँ • पूछताछ;सहयोगी रणनीतियां;खेल,सिमुलेशन और रोल प्ले;मूल्य	10

	स्पष्टीकरण: समस्या को हल करना और निर्णय लेना। • तरीके: इंटरएक्टिव मौखिक शिक्षा; गतिविधियों, प्रयोगों के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम; सुविधाकर्ता के रूप में शिक्षक के समर्थन के साथ छात्रों के अपने हितों के आधार पर खोजी क्षेत्र का दौरा; कला, कविता और साहित्य का उपयोग करते हुए भावनात्मक या संवेदी स्तर पर 'स्थानों' से जुड़ाव। • तकनीक: पाठ्य पुस्तकों और पाठ्य पुस्तकों का उपयोग करना, गैर-मौखिक कार्य पाठों का उपयोग करना; मध्यम और बड़े पैमाने के मानचित्रों का उपयोग करना; चित्रों, तस्वीरों, उपग्रह छवियों और हवाई तस्वीरों का उपयोग करना; ऑडियो-विज़ुअल एड्स, सीडी, मल्टीमीडिया और इंटरनेट का उपयोग करना; केस स्टडी दृष्टिकोण।	
UNIT V: शिक्षण- अर्थशास्त्र सीखना: राज्य, बाजार और विकास	• सामाजिक विज्ञान की एक शाखा के रूप में अर्थशास्त्र का संबंध लोगों से है। यह उन्हें उनकी क्षमता का एहसास करने के लिए साधन प्रदान करने के लिए शो का अध्ययन करता है। अर्थशास्त्र पर यह इकाई राज्य, बाजार और विकास के व्यापक विषयों से संबंधित है। बाजार और राज्य विकास के साधन के रूप में परस्पर जुड़े हुए हैं। यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थी के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण आर्थिक अवधारणाओं और मुद्दों को पेश करने का प्रयास करता है। • अर्थ, प्रकृति और अर्थशास्त्र का दायरा: वर्तमान रुझान अर्थशास्त्र में प्रमुख अवधारणाएं* • कमी और पसंद, अवसर लागत, उत्पादकता, मांग, आपूर्ति और बाजार तंत्र, श्रम और विशेषज्ञता का विभाजन। • आर्थिक प्रणाली का वर्गीकरण • पूंजीवाद, समाजवाद, मिश्रित अर्थव्यवस्था (केस स्टडी: भारत) • अर्थशास्त्र में विकासात्मक मुद्दे • सतत विकास-आर्थिक विकास और आर्थिक विकास-अर्थव्यवस्था की भलाई को मापने के संकेतक; सकल घरेलू उत्पाद; आर्थिक योजना; गरीबी; खाद्य सुरक्षा; मूल्य निर्धारण; धन की भूमिका और कार्य-औपचारिक और अनौपचारिक वित्तीय संस्थानों और बजट; उत्पादन गतिविधियों का वर्गीकरण-प्राथमिक, माध्यमिक;	8

	• आर्थिक सुधार और वैश्वीकरण भारत के संदर्भ में इन विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा करते हैं। • उपरोक्त सामग्री का उपयोग अर्थशास्त्र में शिक्षण, सीखने की रणनीतियों और कौशल विकास को समझने के लिए किया जा सकता है।* • अर्थशास्त्र में शिक्षण-अधिगम के तरीके • व्याख्यान, चर्चा, कहानी सुनाना, समस्या-समाधान, सिमुलेशन गेम, मीडिया और प्रौद्योगिकी का उपयोग, अवधारणा मानचित्रण, परियोजना और गतिविधियों जैसे अन्य तरीकों के अलावा क्षेत्र का दौरा (जैसे मजदूरी और रोजगार पर डेटा के लिए एक निर्माण स्थल पर जाना), दस्तावेजों से डेटा का संग्रह (उदाहरण के लिए। स्व-अध्ययन और सहयोगी शिक्षण गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। • शिक्षण-अधिगम सामग्री पाठ्यपुस्तकों का उपयोग, समाचारों का विश्लेषण (समाचार पत्र, टीवी और रेडियो); दस्तावेज़ (जैसे अर्थशास्त्र सर्वेक्षण, पंचवर्षीय योजना), पत्रिकाएँ और समाचार पत्रिकाएँ।	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Bining & Bining	: Teaching of Social studies in the Secondray School,	McGraw Hill Book Co. New York..
James Fleming	The Teaching of Social studies in Secondary school,	Longman, Green & Co. London,
Sharde B.P. & Sharma, J.C.:	: Teaching of Geography.	Oxford,PergamonPress.
Hall David :	Geography and Geography Teacher	London,OUP.
NCERT :	Teaching of History	New Delhi
Pandey, K.P. :	Artha Shastra Shikshan.	
Tiwari, G.S	,.Artha Shastra Shikshan.	.
Awasthi, P.P.	Nagrik Shastra Shikshan Vidhi.	.
Desia, D.M. and	. : : Evaluation in Social studies, DEPSE, Ministry of Education	New Delhi.
Mehta, T.S	:. G ovt. of India	.New Delhi.
Malayya, M	.Social Sciences,	Asia Publishing House, Bombay
Taneja, V.R.	Fundamentals of Teaching Social Studies,	Mohndra
	. :	
	:	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF MATHEMATICS गणित की शिक्षाशास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 103 D	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• गणित शिक्षा के अर्थ, प्रकृति, कार्यक्षेत्र और उद्देश्य में अंतर्दृष्टि विकसित करना; • प्रत्येक छात्र के दिमाग को जोड़ने के लिए एक उपकरण के रूप में गणित की सराहना करें; • उनकी सोच को चैनलाइज, मूल्यांकन, व्याख्या और पुनर्निर्माण; • गणित को एक ऐसी चीज़ के रूप में देखें जिसके बारे में बात करनी है, संवाद करना है, आपस में चर्चा करना है, एक साथ काम करना है। • अर्थपूर्ण समस्याओं को प्रस्तुत करना और उनका समाधान करना; • गणित अधिगम के मूल्यांकन के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरणों का निर्माण करना; • जीवन कौशल के लिए अवधारणाओं का उपयोग करने की क्षमता विकसित करना; • गणित में जिज्ञासा, रचनात्मकता और आविष्कारशीलता को बढ़ावा देना; • विभिन्न उपायों के माध्यम से गणित शिक्षण-अधिगम के लिए दक्षताओं का विकास करना।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6..	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20
			EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: गणित की प्रकृति अर्थ और क्षेत्र	• गणित का अर्थ और क्षेत्र , • एक गणितीय प्रमेय और उसके रूप- विलोम, प्रतिलोम और विपरीत-धनात्मक, प्रमाण और प्रमाण के प्रकार, प्रमाण और सत्यापन के बीच अंतर; • गणित की निगमनात्मक प्रकृति; गणित के शिक्षण पर विशेष जोर देने के साथ गणित का इतिहास, • भारतीय गणितज्ञों का योगदान; गणित में सौंदर्यबोध और गणित में सौंदर्य।	8
UNIT II: • शिक्षार्थियों की खोज करना	• शिक्षार्थी की संवेदनशीलता को विकसित करना, जैसे अंतर्ज्ञान, शिक्षार्थी को जांच के लिए प्रोत्साहित करना, प्रश्न पूछना, सहकर्मी-समूह के बीच संवाद की सराहना करना, • छात्र के आत्मविश्वास को बढ़ावा देना (विभिन्न गणितीय सामग्री क्षेत्रों से उदाहरण लेना, जैसे संख्या प्रणाली, ज्यामिति, सेट, आदि)।	8
UNIT III: स्कूल गणित पढ़ाने के लक्ष्य और उद्देश्य	• गणित पढ़ाने के लिए सामान्य उद्देश्यों को स्थापित करने की आवश्यकता; • स्कूली शिक्षा के उद्देश्यों की तुलना में गणित शिक्षण के उद्देश्यों और सामान्य उद्देश्यों का अध्ययन; • गणित में विभिन्न विषयवस्तु क्षेत्रों जैसे बीजगणित, ज्यामिति, त्रिकोणमिति, आदि के विशिष्ट उद्देश्यों और शिक्षण बिंदुओं को लिखना।	8

Pandey

UNIT IV: • स्कूल गणित पाठ्यक्रम	• पाठ्यचर्या के उद्देश्य, पाठ्यक्रम तैयार करने के सिद्धांत. • स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों में पाठ्यक्रम तैयार करना, पाठ्यचर्या के कुछ मुख्य अंश जैसे स्कूली गणित की दृष्टि, गणित शिक्षा का मुख्य लक्ष्य, • स्कूली गणित में चिंता के मुख्य क्षेत्र, स्कूली गणित शिक्षा के विभिन्न चरणों में पाठ्यचर्या विकल्प, • गणित के विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम का निर्माण, उदाहरण के लिए, बीजगणित, ज्यामिति, आदि; • स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर गणित में विभिन्न विषयों का शैक्षणिक विश्लेषण- अंकगणित (संख्या प्रणाली का विकास), बीजगणित, त्रिकोणमिति, सांख्यिकी और संभावना, आदि।	8
UNIT V: गणितीय अवधारणाओं को पढ़ाने और सीखने में दृष्टिकोण और रणनीतियाँ	• अवधारणाओं की प्रकृति, अवधारणा निर्माण और अवधारणा आत्मसात, • एक अवधारणा को पढ़ाने में आगे बढ़ता है- परिभाषित करना, आवश्यक और/या पर्याप्त शर्त बताते हुए, एक कारण के साथ उदाहरण देते हुए। • तुलना करना और विषमता दिखाना; काउंटर उदाहरण देना; गैर-उदाहरण; बीजगणित, ज्यामिति, त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति, आदि के शिक्षण जैसी अवधारणा को पढ़ाने में रणनीतियों की योजना और कार्यान्वयन; • गणित के शिक्षण और विज्ञान के शिक्षण के बीच अंतर.	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
S.K.Arora(Bhimani	Howtoteachmathematics	ShantiPublisher's1998
–Capeland	Howchildrenlearn mathematics	(NewYork):M.C.Millan Pub.1979,
–W.R.Fuch	Mathematicsformodernmind	(NewYork):M.C.MillanPub.1967.
J.N.Kapoor	VidyalayaGanit keliye sauprayog–	(NewDelhi):AryabookDepot1968
W.B.Saunders	Howtoteachmathematicsin secondaryschool–	(Company)1967
: J.N.Kapoor	Thespiritof mathematics	(NewDelhi):AryabookDepot1964
Ashok Jhunjhunwala	IndianMathematics–	. (NewDelhi)WileyEastern Ltd.1993
,(R.C.Sexena	Curricullumandteachingofmathematicsinsecond aryschool	NCERT1970.
N.K.Ayangar	Theteachingof mathematicsinthenewEducation –	
S.K.Arora	Howtoteachmathematics–	(Bhimani):ShantiPublisher's1998
Dr.S.K.Mangal	Teaching of mathematics (Hindi/English)	Agra publication
Dr.A.B.Bhatnagar	Teaching of mathematics (Hindi/English)	Agra publication
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)	
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	PEDAGOGY OF BIOLOGICAL SCIENCE •जैविक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 103 E
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• शिक्षण-अधिगम के लक्ष्य और रणनीति निर्धारित करने के लिए जैविक विज्ञान के अर्थ और प्रकृति पर अंतर्दृष्टि विकसित करना; • इस बात की सराहना करें कि विज्ञान ज्ञान का एक गतिशील और विस्तृत निकाय है; • इस तथ्य की सराहना करें कि प्रत्येक बच्चे में अपने प्राकृतिक परिवेश के बारे में जिज्ञासा होती है • जैविक विज्ञान सीखने के साथ रोज़मर्रा के अनुभवों की पहचान करना और उन्हें जोड़ना; • जैविक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के लिए विभिन्न गतिविधियों/प्रयोगों/प्रदर्शनों/प्रयोगशाला के अनुभवों का प्रभावी ढंग से उपयोग करें; • जैविक विज्ञान के ज्ञान को स्कूल के अन्य विषयों के साथ एकीकृत करना; • अपनी शाखाओं, प्रक्रिया कौशल, ज्ञान संगठन और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में जैविक विज्ञान की सामग्री का विश्लेषण करें; • विषयवस्तु/इकाइयों के आधार पर प्रक्रिया-उन्मुख उद्देश्यों का विकास करना; • जैविक विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं के लिए सीखने की स्थिति बनाने के विभिन्न तरीकों का अन्वेषण करें; • जैविक विज्ञान सीखने में विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों की जांच करें; • जैविक विज्ञान के अधिगम के मूल्यांकन के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरणों का निर्माण करना;
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 / INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS प्रकरण**	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT I: जैविक विज्ञान की प्रकृति और कार्यक्षेत्र	• विज्ञान जांच के क्षेत्र के रूप में, ज्ञान के गतिशील निकाय और ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया के रूप में; • पर्यावरण और स्वास्थ्य, शांति, समानता के लिए जैविक विज्ञान; • जैविक विज्ञान का इतिहास, इसकी प्रकृति मानव अनुप्रयोग से स्वतंत्र जैविक विज्ञान का ज्ञान; • जीवन की उत्पत्ति और विकास, जैव विविधता, जैविक विज्ञान में अवलोकन और प्रयोग; • अंतःविषय संबंध, जैविक विज्ञान और समाज।	8
UNIT II: जैविक विज्ञान के लक्ष्य और उद्देश्य	• वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच विकसित करना; जीव विज्ञान में प्राकृतिक जिज्ञासा, सौंदर्य बोध और रचनात्मकता का पोषण करना; • अन्वेषण की ओर ले जाने वाली विधियों और प्रक्रियाओं को समझने के लिए कौशल हासिल करना; • जैविक विज्ञान में वैज्ञानिक ज्ञान का सामान्यीकरण और मान्यता; • जीव विज्ञान शिक्षा को पर्यावरण (प्राकृतिक पर्यावरण, कलाकृतियों और लोगों) से जोड़ना और विज्ञान प्रौद्योगिकी और समाज के इंटरफेस पर मुद्दों की सराहना करना; • ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सहयोग, जीवन के प्रति सरोकार और पर्यावरण के संरक्षण के मूल्यों को आत्मसात करें; • दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान करना; शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुरूप जीव विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों के तथ्यों और सिद्धांतों को जानें; • जीव विज्ञान में विभिन्न विषयवस्तु क्षेत्रों का विशिष्ट उद्देश्य।	8

UNIT III: **शिक्षार्थियों की खोज**	• कक्षा/पर्यावरण/माता-पिता और साथियों के समूह के माध्यम से प्राप्त विज्ञान/जीव विज्ञान में अपने पिछले ज्ञान को लाने के लिए शिक्षार्थी को प्रेरित करना शिक्षक-शिक्षार्थी में बच्चे को सुनने की आदत पैदा करना; • चर्चा उत्पन्न करना, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में शिक्षार्थियों को शामिल करना, शिक्षार्थियों को प्रश्न उठाने के लिए प्रोत्साहित करना, सहकर्मी समूहों के बीच संवाद की सराहना करना, • शिक्षार्थियों को स्थानीय संसाधनों से सामग्री एकत्र करने और जैविक विज्ञान (व्यक्तिगत या समूह कार्य) में उपयुक्त गतिविधियों का विकास / निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करना; जीव विज्ञान में सीखने की बातचीत और मध्यस्थता में शिक्षार्थियों की भूमिका।	8
UNIT IV: **स्कूल विज्ञान पाठ्यक्रम (जैविक विज्ञान)**	• विज्ञान पाठ्यक्रम में रुझान; जीव विज्ञान में शिक्षार्थी केंद्रित पाठ्यक्रम विकसित करने पर विचार; • उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर एनसीईआरटी और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की पाठ्य पुस्तकों और जीव विज्ञान के पाठ्यक्रम का विश्लेषण; • विभिन्न राज्यों में प्रयोग किए जाने वाले जैविक विज्ञान के क्षेत्र में अन्य प्रिंट और गैर-मुद्रित सामग्री का विश्लेषण।	8
UNIT V: **जैविक विज्ञान सीखने के दृष्टिकोण और रणनीतियाँ**	• ज्ञान के स्थिर निकाय के रूप में विज्ञान से शैक्षणिक परिवर्तन ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया में, • वैज्ञानिक पद्धति-अवलोकन, पूछताछ, परिकल्पना, प्रयोग, • डेटा संग्रह, सामान्यीकरण (शिक्षक-शिक्षक या विभिन्न चरण-विशिष्ट सामग्री से उदाहरण लेते हुए उदाहरण के रूप में भिन्नता को ध्यान में रखते हुए, उदा। • संरचना और कार्य, आणविक पहलू, जीवित और निर्जीव के बीच बातचीत, जैव विविधता, आदि); • जैविक विज्ञान में संचार;	8

	• जैविक विज्ञान में समस्या समाधान, खोजी दृष्टिकोण, अवधारणा मानचित्रण, सहयोगात्मक शिक्षण और अनुभवात्मक अधिगम (शिक्षक-शिक्षार्थी इनमें से प्रत्येक दृष्टिकोण का उपयोग करके सीखने के अनुभवों को डिजाइन करेंगे); स्व-अध्ययन के लिए शिक्षार्थियों की सुविधा।	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Sarup	Modern Methods of Teaching Biology.Teaching Series	Sarup&Sons,NewDelhi.
Bhaskara Rao, D(2000):	Teaching of Biology,	(Nagarjuna Publishers, G4.
Moha,Radha(2004):	lnnovative Science Teaching,	(Prentice Hall ofIndia,New Delhi
UnescoSource	New Unesco Source Book for Science Teaching	(1978), Oxford&IBH,New Delhi.
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002):	Modern Science Teaching,.	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delhi
Sood, K.J.{1989):	New Directions in ScienceTeaching,	KohliPublishers,Chandigarh
Vaidya,N(1996):	Science Teaching for the21st Century	Deep&DeepPublications,NewDelhi.
Gupta S.K.(1983):	Technologyof ScienceEducation,	Vikas Publishing House PvtLtd,Delhi
Chikara, M.S. andS.Sarma(1985)	www.wikipedia.com: TeachingofBiology,	Prakashbrothers,Ludhiana unter
S.K. Mangal:	TeachingofBiologicalScience.	
Dr. Shoti Shivendra Chandra	ContemporaryScience Teaching.	
	.:	
	:	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF PHYSICAL SCIENCE भौतिक विज्ञान की शिक्षा		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 103 F	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• भौतिक विज्ञान सीखने के साथ रोज़मर्रा के अनुभवों की पहचान करना और उन्हें जोड़ना; • भौतिक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के विभिन्न दृष्टिकोणों की सराहना करें; • विज्ञान की प्रक्रिया और शिक्षण-अधिगम स्थितियों में प्रयोगशाला की भूमिका को समझ सकेंगे; • भौतिक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के लिए विभिन्न गतिविधियों/प्रदर्शनों/प्रयोगशाला के अनुभवों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना; • अन्य स्कूली विषयों के साथ भौतिक विज्ञान के ज्ञान को एकीकृत करना; • अपनी शाखाओं, प्रक्रिया कौशल, ज्ञान संगठन और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में भौतिक विज्ञान की सामग्री का विश्लेषण करें; • विषयवस्तु/इकाइयों के आधार पर प्रक्रिया-उन्मुख उद्देश्यों का विकास करना; • भौतिक विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं को सीखने में सीखने की स्थितियों को बनाने के विभिन्न तरीकों का अन्वेषण करें • उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान पर आधारित सार्थक पूछताछ एपिसोड, समस्या-समाधान की स्थिति, खोजी और खोज सीखने की परियोजनाओं को तैयार करना • भौतिक विज्ञान सीखने में विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों का परीक्षण करें	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20
			EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT I: विज्ञान की प्रकृति	• विज्ञान जांच के क्षेत्र के रूप में, ज्ञान के एक गतिशील और विस्तारित निकाय के रूप में; • ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया के रूप में विज्ञान; सीखने के अंतःविषय क्षेत्र के रूप में विज्ञान (थर्मोडायनामिक्स, बायोमोलेक्यूल्स, सरफेस केमिस्ट्री, आदि); • तथ्य, अवधारणाएं, सिद्धांत, कानून और सिद्धांत-भौतिक विज्ञान के संदर्भ में उनकी विशेषताएं (प्रत्येक के लिए उदाहरण देते हुए); • पर्यावरण, स्वास्थ्य, शांति, समानता के लिए भौतिक विज्ञान; भौतिक विज्ञान और समाज; • प्रख्यात वैज्ञानिकों का योगदान- आइजैक न्यूटन, डाल्टन, नील्स बोहर, डी ब्रोगली, जे.सी.बोस, सी.वी.रमन, अल्बर्ट आइंस्टीन, आदि।	8
UNIT II: भौतिक विज्ञान के लक्ष्य व उद्देश्य	• वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करना, विज्ञान (माध्यमिक स्तर) / भौतिकी और रसायन विज्ञान (उच्च माध्यमिक चरण) में प्राकृतिक जिज्ञासा, सौंदर्य इंद्रियों और रचनात्मकता का पोषण करना; • विज्ञान/भौतिक विज्ञान की विधि और प्रक्रिया को समझने के लिए कौशल हासिल करना जो विज्ञान/भौतिक विज्ञान में ज्ञान की खोज, सृजन और सत्यापन की ओर ले जाता है; विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान शिक्षा को पर्यावरण (प्राकृतिक पर्यावरण, कलाकृतियों और लोगों) से संबंधित करें और विज्ञान प्रौद्योगिकी और समाज के इंटरफेस पर मुद्दों की सराहना करें; • ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सहयोग, जीवन के प्रति सरोकार और पर्यावरण के संरक्षण के मूल्यों को आत्मसात करना, रोजमर्रा की जिंदगी की समस्याओं का समाधान करना; • विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान के तथ्यों और सिद्धांतों को जानें और शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुरूप	8

	इसके अनुप्रयोग, (जैसे यांत्रिकी, ऊष्मा, बिजली, चुंबकत्व, प्रकाश, अम्ल, क्षार और लवण, ऊष्मागतिकी, धातुकर्म, • भौतिक और रासायनिक परिवर्तन, प्रकृति और पदार्थ की अवस्था, आदि। विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान में विभिन्न सामग्री क्षेत्रों का विशिष्ट उद्देश्य।	
UNIT III: शिक्षार्थी खोज	• शिक्षार्थियों को कक्षा/पर्यावरण/माता-पिता और साथियों के समूह के माध्यम से विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान में प्राप्त अपने पिछले ज्ञान को लाने के लिए प्रेरित करना; • शिक्षक-शिक्षार्थी में बच्चे को सुनने की आदत डालना; शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में शिक्षार्थियों को शामिल करते हुए चर्चा उत्पन्न करना; • शिक्षार्थियों को प्रश्न उठाने के लिए प्रोत्साहित करना, साथियों के समूह के बीच संवाद की सराहना करना; शिक्षार्थियों को स्थानीय संसाधनों (मिट्टी, पानी, आदि) से सामग्री एकत्र करने और विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान (व्यक्तिगत या समूह कार्य) में उपयुक्त गतिविधियों का विकास/निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करना; • विज्ञान/भौतिक विज्ञान में सीखने की बातचीत और मध्यस्थता में शिक्षार्थियों की भूमिका।	8
UNIT IV: • स्कूल विज्ञान पाठ्यक्रम (भौतिक विज्ञान)	• विज्ञान पाठ्यक्रम में रुझान; भौतिक विज्ञान में शिक्षार्थी केंद्रित पाठ्यक्रम विकसित करने पर विचार, • विज्ञान/भौतिकी और रसायन शास्त्र पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी और राज्यों की पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण (उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर); • भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न राज्यों में उपयोग की जाने वाली अन्य प्रिंट और गैर-मुद्रित सामग्री का विश्लेषण।	8

UNIT V: **भौतिक विज्ञान सीखने की रणनीतियाँ और दृष्टिकोण**	• ज्ञान के निश्चित निकाय के रूप में विज्ञान से शैक्षणिक बदलाव ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया, वैज्ञानिक पद्धति-अवलोकन, पूछताछ, परिकल्पना, प्रयोग, डेटा संग्रह, सामान्यीकरण (शिक्षक-शिक्षक विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान की विशिष्ट सामग्री से प्रत्येक उदाहरण लेते हुए उदाहरण देंगे, जैसे समाधान, कोलाइड्स, रासायनिक संतुलन, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, पदार्थ के यांत्रिक और थर्मल गुण, प्रतिबिंब, अपवर्तन, वेव ऑप्टिक्स इत्यादि के रूप में); • विज्ञान/भौतिक विज्ञान में संचार, समस्या समाधान, निवेश संबंधी दृष्टिकोण, अवधारणा मानचित्रण, विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान में सीखने और अनुभवात्मक सीखने में सहयोग करना (शिक्षक-शिक्षार्थी इनमें से प्रत्येक दृष्टिकोण का उपयोग करके सीखने के अनुभवों को डिजाइन करेंगे). स्व-अध्ययन के लिए शिक्षार्थियों की सुविधा।	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
UNESCO	New UNESCOSourceBookfor ScienceTeaching	(1978), Oxford&IBH,New Delhi..
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002):	ModernScience Teaching,i.	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delh
Sood, K.J.{1989):	New Directions in ScienceTeaching,	KohliPublishers,Chandigarh
Vaidya,N (1996):	Science Teaching for the21st Century	Deep&DeepPublications,NewDelhi.
Gupta S.K.(1983):	Technologyof ScienceEducation,	Vikas Publishing House PvtLtd,Delhi
Chikara, M.S. andS.Sarma(1985):	www.wikipedia.comTeachingofBiology,	Prakashbrothers,Ludhiana unter
Dr. Shoti Shivendra Chandra	: ContemporaryScience Teaching.	,NewDelhi.
R.A.Yadav, Siidiqui:	TeachingofScience.	Delhi
NCERT	AllNCERT ScienceText Booksfromclass lXto Xll.	New Delhi
UNESCO	New UNESCOSourceBookfor Science Teaching.	(1978), Oxford&IBH,New Delhi
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002	ModernScience Teaching,	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delhi.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PRACTICAL प्रायोगिक		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED.104 A & 104 B	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• विद्यार्थी को विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री को समझने में सक्षम होना चाहिए। • शिक्षण सामग्री और शिक्षण सहायक सामग्री, उनके व्यावहारिक पहलू की पहचान • शिक्षण सहायक सामग्री के प्रकार और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में अनुप्रयोग। • शिक्षण सहायक सामग्री का महत्व व प्रयोग • विभिन्न शिक्षण स्थितियों में शिक्षण सहायक सामग्री के उपयोग का प्रभाव। • प्रभावी शिक्षण सहायक सामग्री का चयन कैसे करें जानेगे	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 50 (In both group)	INTERNAL : 50 (In both group)
			EXTERNAL: Nil

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
Work	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Preparation of Teaching Aids 104 A	➢ स्कूल विषय सामग्री पर कम से कम 6 चार्ट का निर्माण ➢ स्कूल विषय सामग्री को दर्शाने ट्रांसपीरेंसी के न्यूनतम 3 सेट ➢ स्कूल विषय सामग्री को दर्शाने के लिए न्यूनतम 3 पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण ➢ स्कूल विषय सामग्री पर न्यूनतम 1वीडियो पाठ का निर्माण ➢ स्कूल शिक्षण सामग्री की सहायता के लिए न्यूनतम एक स्थिर मॉडल	

Community Activities **104 B**	➢ ग्राम सर्वेक्षण (सामुदायिक गतिविधियां) किसी भी गांव की सर्वे रिपोर्ट तैयार कर कॉलेज में जमा करें ➢ Awareness Rally/Program Awareness program in any relevant social problem of your city/ state/ or country. ➢ जागरूकता रैली/कार्यक्रम आपके शहर/राज्य/या देश की किसी भी प्रासंगिक सामाजिक समस्या में जागरूकता कार्यक्रम। **PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)**	

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
NCERT	All NCERT Science Text Book from class IXtoXII	New Delhi
NCERT	All NCERT Maths Text Booksfrom class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT Hindi Text Booksfrom class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT English Text Booksfrom class IXtoXII.	. New Delhi
NCERT	All NCERT Social Science Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
C G BOARD	Science Text Book from class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Maths Text Booksfrom class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Hindi Text Booksfrom class IXtoXII.	C G
C G BOARD	English Text Booksfrom class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Social Science Text Books from class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Science Text Book from class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Maths Text Booksfrom class IXtoXII.	C G
	: SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED .SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES OF EDUCATION • शिक्षा के सामाजिक दृष्टिकोण		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 201
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• राज्य और कक्षा में सामाजिक विविधता और शिक्षण के लिए इसके निहितार्थ को समझना • सामाजिक स्तरीकरण से संबंधित कुछ प्रमुख अवधारणाओं को समझने और उनका उपयोग करने में सक्षम होने के लिए • जाति की प्रकृति और उसमें होने वाले परिवर्तनों को समझना; अनुसूचित जातियों और उनकी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए • जनजातीय समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं और आदिवासी बच्चों की शिक्षा में मुद्दों को समझने के लिए • प्रवासी बच्चों के विशेष संदर्भ में यह समझने के लिए कि गरीबी बच्चों की स्कूली शिक्षा की संभावनाओं को कैसे प्रभावित करती है
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL : 20 / EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: छतीसगढ़ के विशेष संदर्भ में भारतीय समाज की विविधता को समझना	i. भारतीय समाज में, विशेष रूप से छतीसगढ़ में, कुछ गांवों, क्षेत्रों या शहरों के केस स्टडी के माध्यम से विविधता का पता लगाया जाएगा। विभिन्न समुदायों की पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था, भाषा, संस्कृति और शैक्षिक स्थिति के संदर्भ में उनकी रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी। इन समुदायों में बचपन और शिक्षा तक पहुंच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। छात्र शिक्षकों को इस विविधता को कक्षा में एक संभावित शैक्षणिक संसाधन के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ii. इस कक्षा में विविधता। सहपाठियों की विविध सामाजिक-सांस्कृतिक और भाषाई पृष्ठभूमि को जानना। इस बारे में जानना कि उन्होंने खुद को कैसे शिक्षित किया iii. राज्य के कुछ पांच समुदायों की नृवंशविज्ञान रूपरेखा (उदाहरण के लिए, एक आदिवासी, एक अनुसूचित जाति, एक कृत्रिम समुदाय, एक कृषि जाति, एक अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय) iv. शैक्षिक रूप से जोखिम वाले बच्चे- उन बच्चों के समुदायों की रूपरेखा तैयार करना जिन्हें स्कूली शिक्षा में अच्छी तरह से एकीकृत नहीं किया गया है (नामांकन न करना, जल्दी ड्रॉप आउट, कम उपलब्धि)। v. समुदायों, पेशेवर समूहों, आर्थिक स्थिति, सामाजिक सम्मान, शक्ति, आदि के संदर्भ में अपने गांव या शहर के समाज की रूपरेखा। vi.कक्षा में पढ़ाने के लिए संसाधन के रूप में विविध छात्रों की सामाजिक पृष्ठभूमि को प्रत्येक में कैसे मिटाया जा सकता है?	10
UNIT II: **सामाजिक स्तरीकरण से संबंधित सामाजिक अवधारणाएं**	कुछ प्रमुख समाजशास्त्रीय अवधारणाओं जैसे जीवन के अवसर, भेदभाव, बहिष्कार, स्तरीकरण, आदि पर चर्चा की जाएगी ताकि छात्र शिक्षक विभिन्न सामाजिक संदर्भों का उपयोग कर सकें। ✓ जीवन के अवसर, वर्ग, स्थिति और शक्ति: मार्क्स और मैक्सवेबर के फ्रेम वर्क ✓ सामाजिक भेदभाव, बहिष्कार और शोषण। ✓ सामाजिक पूंजी, सांस्कृतिक पूंजी, विज्ञान पूंजी और आर्थिक पूंजी- पी. बॉर्डियू का दृष्टिकोण अमर्त्य सेन के अवसरों और क्षमताओं की समानता के उपागम का दृष्टिकोण	8

UNIT III: **शिक्षा के लक्ष्य**	• प्रमुख नीति और दस्तावेजों में शिक्षा के उद्देश्य: • मुदलियार आयोग की रिपोर्ट • कोठारी आयोग की रिपोर्ट • राष्ट्रीय नीति शिक्षा, 1986 • पाठ्यचर्या की रूपरेखा कार्य, 2000 और 2005 • एनसीएफटीई 2009: और 2014 एनपीई 2020: भाग I (अध्याय 5,6,7,8,) और भाग II- (शिक्षक शिक्षा के विशेष संदर्भ के साथ)	8
UNIT-IV: **शिक्षा और प्रजातंत्र**	•"राष्ट्रीय एकता और भावनात्मक एकीकरण" शब्द का अर्थ, इसकी आवश्यकता, लोकतांत्रिक एकीकरण के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण प्राप्त करने में शिक्षक और शैक्षणिक संस्थान की भूमिका, • सांस्कृतिक विरासत की व्याख्या, विभिन्न धर्मों के योगदान (हिंदू धर्म, - बौद्ध धर्म, सिख धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म) और जैन धर्म) एक ही कारण और मानव उत्थान, समान संचार, भारतीय त्योहारों के उत्सव के दर्शन के लिए। • शिक्षा का समाजशास्त्रीय आधार। मौजूदा सामाजिक व्यवस्था द्वारा दिए गए मानदंडों के अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति और व्यक्ति से समाज के बीच संबंध; • उदार उपयोगितावादी के रूप में शिक्षा, आर्थिक शिक्षा के एक उपकरण के रूप में शिक्षा, सामाजिक परिवर्तन के एक एजेंट के रूप में, समाज के तत्काल कल्याण के माध्यम से शिक्षा, • शिक्षा और मानव संसाधन विकास के माध्यम से राष्ट्रीय कल्याण के साधन के रूप में शिक्षा। • एक नई सामाजिक व्यवस्था का अर्थ, निरक्षरता का उन्मूलन, एनएईपी के उद्देश्य; सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से वंचितों को शिक्षित करने के लिए प्रावधान किए और विभिन्न श्रोत; जातियों, जनजातियों के संदर्भ में अवसरों की समानता के लिए किए गए उपाय और उपाय। विकलांग, लिंग और अल्पसंख्यक	8

UNIT V: • **भारतीय शिक्षा की वर्तमान चिंताएं**	निजी सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी); फिर भी अन्य शिक्षकों की स्थिति से संबंधित हैं - शिक्षकों की आकस्मिकता और अनौपचारिकता। छात्र शिक्षकों को केस स्टडी और अन्य अकादमिक साहित्य के माध्यम से इन चिंताओं और संभावनाओं का अध्ययन करने का अवसर दिया जाएगा: (1) व्यावसायिक नैतिकता **(2) संस्था पर निजीकरण और मानव संसाधन पर विकास का प्रभाव** **प्रायोगिक:** **1.** 1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, प्रवासी श्रमिकों, ग्रामीण और शहरी गरीबों, आदि जैसे हाशिए के सामाजिक समूहों की स्थिति और उनकी शैक्षिक संभावनाओं का क्षेत्र आधारित सर्वेक्षण। **2.** विभिन्न प्रकार के स्कूलों में हाशिए के समुदायों के बच्चों के सामने आने वाली समस्याओं को समझने के लिए कार्य अनुसंधान। **3.** हाशिए के समूहों की शिक्षा के लिए सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन को समझने के लिए कार्रवाई अनुसंधान। **4.** विभिन्न प्रकार के स्कूलों और उनमें कार्यरत शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की स्थिति का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण। **5.** चर्चा के तहत नीतिगत मुद्दों से संबंधित क्षेत्र की वास्तविकताओं को समझने के लिए सर्वेक्षण 6. सीमांत समूहों की शिक्षा से संबंधित मुद्दों की भूमिका निभाना और उनका नाटकीयकरण करना	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Education policy	Education policy documents and Commission Reports:Mudaliar Commission, Kothari Commission, National Commissionon Teachers,Yashpal Commission, National Policy on Education 1965, 1988 &1992	New Delhi..
NPE 2020	NPE 2020. ncte.gov.in 2014-15	,New Delh
NCERT	Sociology,NCERT Text books for class XI and XII	New Delhi
SC Dube	Indian Society	NBT, Delhi
Russel&Hiralal	Tribesand Castes of CP &Berar	
Danda,AjitKumar [edit.].	Chhattisgarh:AnAreaStudy,	Calcutta 1977.AnthropologicalSurveyofIndia
Dr. Shoti Shivendra Chandra	: Contemporary Science Teaching.	NewDelhi.
Azim PremjiFoundation,	The Social Context of Elementary Educationin RuralIndia,	Azim PremjiFoundation,Bangalore, 2004
Reeta Chouhan	Sociological perspectives of Education	Agrwal publication Agra
Lal Raman bihari	Smajshastriye adhar	Agra
ShyamBenegal,	Making of the Constitution (12parts)	Films & Documentaries
ShyamBenegal,	Bharat Ek Khoj (relevant parts on National movement)	Films & Documentaries
ShyamBenegal,	India untouch	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	LEARNER AND LEARNING PROCESS • सीखने और सीखने की प्रक्रिया		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 202	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• मानव विकास और विकासात्मक कार्यों के चरणों का ज्ञान और समझ हासिल करना; किशोर शिक्षार्थियों के विशेष संदर्भ में। • सीखने के विभिन्न सिद्धांतों के संदर्भ में बच्चों के सीखने की प्रक्रिया की समझ विकसित करना। • बुद्धि, प्रेरणा और विभिन्न प्रकार के असाधारण बच्चों को समझें। • प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया और साइकोमेट्रिक मूल्यांकन के उपयोग के लिए कौशल विकसित करना। • विभिन्न संगठनों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से शिक्षा को पुनर्जीवित करना	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS:100	INTERNAL- 20 EXTERNAL – 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT-I **मनोविज्ञान और शिक्षार्थियों की प्रकृति**	• मनोविज्ञान: इसका अर्थ, प्रकृति, तरीके और कार्यक्षेत्र; शैक्षिक मनोविज्ञान के कार्य। • मानव विकास के चरण; चरण विशिष्ट विशेषताएं और विकासात्मक कार्य। • भारतीय संदर्भ में किशोरावस्था-किशोरों की विशेषताएं और समस्याएं, उनकी जरूरतें और आकांक्षाएं। • किशोरों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श.	8
UNIT-II **अधिगम**	• सीखने की प्रकृति; पियाजे (संज्ञानात्मक) सिद्धांत और अल्बर्ट बंडुरा सामाजिक शिक्षा के विशिष्ट संदर्भ के साथ सीखने के सिद्धांत। • सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारक: शिक्षार्थी से संबंधित; शिक्षक से संबंधित: प्रक्रिया से संबंधित और सामग्री से संबंधित।	6
UNIT-III **बुद्धिमत्ता**	• बुद्धि की प्रकृति और विशेषताएं और उसका विकास। • बुद्धि के सिद्धांत; दो कारक सिद्धांत- बहुकारक सिद्धांत (पीएमए) और SIModel। • बुद्धि मापना- मौखिक, गैर-मौखिक प्रदर्शन परीक्षण (एक, समूह परीक्षण का प्रतिनिधि और प्रत्येक का व्यक्तिगत परीक्षण), रचनात्मकता-परिभाषा, माप, "Four C" रचनात्मकता का मॉडल।..	8

UNIT-IV असाधारण बच्चा	• असाधारण बच्चों की अवधारणा - सीखने की अक्षमता वाले बच्चों सहित प्रत्येक प्रकार के प्रकार, और विशेषताएं। • व्यक्तिगत विभेद - प्रकृति; कक्षा-कक्ष में व्यक्तिगत विभेद को समायोजित करना। असाधारण बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षार्थी केंद्रित तकनीकें। • व्यक्तित्व- परिभाषा, अर्थ और प्रकृति; व्यक्तित्व का विकास; व्यक्तित्व के प्रकार और लक्षण सिद्धांत। समूह की गतिशीलता। मनोविश्लेषण।	8
UNIT-V भारतीय संदर्भ में समाजीकरण, संस्कृति व शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी का अनुप्रयोग	• धर्मों और महाकाव्यों के विशिष्ट संदर्भ में भारतीय मनोविज्ञान का इतिहास। भारतीय संस्कृति में विविधता को समझना • दुर्गानन्द सिन्हा का संज्ञानात्मक विकास • मनोवैज्ञानिक आंकड़ो के व्याख्या के लिए आवश्यक सांख्यिकीय अवधारणा उसकी आवश्यकता • केंद्रीय प्रवृत्ति और परिवर्तनशीलता (चरों) का मापन (केवल मानक विचलन) और उनकी गणना। • डेटा और उनके उपयोगों का चित्रमय ग्राफीय प्रतिनिधित्व व् निरूपण	10

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Bhatia,H.R.	: Elementsof EducationalPsychology.	OrientLangman Ltd.,Bombay..
Chauhan, S.S	: AdvanceEducationalPsychology.	Vikas publishingHouse.New Delhi.
Chauhan, S.S	PsychologyofAdolescence	Allied Publishers,New Delhi.
Garrett,H.E	: GandhianDimension in Education.	Vakils,Fetterand simoLtd. Bombay
Gulati, Sushma	Education for Creativity	NCERT, 1985
Huriock,E.B	: AdolescentDevelopment,	McGraw Hill.New York.
Kapil,H.K	SankhiyikikeMool Tatva	Vinod pustak Mandir,Agra.
Kulshrenta S.P	EducationalPsychology.	
Mangal,S.K	PsychologicalEducation	PrakashBrother,Ludhiana.
Mathur, S.S	Educational Psychology	VinodPustakMandir,Agra.
Mathur, S.S.	Shiksha Manovigyan	Lyoll Book Dept Meerut
Srivastava,G.N.P	RecentTrendsinEducationalPsychology	Psycho,Research Cell.Agra
Tripathi, S. N	Prathiba Aur Srijntmakta	McmillanCo..Bombay.
Psychologyin a Third world country: theIndianexperience byDurganandSinha		
MotivationandRuraldevelopmentbyDurganandSinha		
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)	
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	ELECTIVE I 203		
EDUCATIONAL AND MENTAL MEASUREMENT • शैक्षिक और मानसिक माप			

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 203 A	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	सभी ऐच्छिक विषयों का समकालीन दुनिया के नवीनतम विकास पर पूर्ण प्रभाव होना चाहिए · शैक्षिक और मानसिक माप में बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाओं और प्रथाओं का उपयोग करने में सक्षम। · छात्र सांख्यिकीय प्रक्रियाओं का उपयोग करके कच्चे अंकों से कुछ मानक अर्थ को सारणीबद्ध और खोज सकते हैं। · यह क्षेत्र में तकनीकों के उपयोग के लिए छात्र शिक्षक में कौशल और दक्षता विकसित कर सकता है। · छात्र शिक्षक शैक्षिक माप के परिणाम की व्याख्या करने के लिए। · विद्यार्थी विभिन्न शैक्षिक और मानसिक माप उपकरणों के बारे में समझता है।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20
			EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNITI: माप की अवधारणा: परीक्षण और पैमाना	• माप की अवधारणा: परीक्षण और मूल्यांकन। • माप के पैमाने: नाममात्र, क्रमिक, अंतराल और अनुपात पैमाने। • असतत और सतत चर। एक अच्छे परीक्षण के गुण - विश्वसनीयता, वैधता और परीक्षण की उपयोगिता: पद विश्लेषण, प्रक्रियाएं और पद चयन।	6

UNITII: शैक्षिक सांख्यिकीय	• शैक्षिक सांख्यिकीय : समूहीकृत और गैर-समूहीकृत आंकड़ों से केंद्रीय प्रवृति के उपाय। • परिवर्तनशीलता के उपाय - प्रसार, चतुर्थक विचलन, मानक विचलन। • **आंकड़ो का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व।**	6
UNIT III: परीक्षण और रिपोर्ट की तकनीक	• परीक्षा संचालन की तकनीक छात्रों के साथ तालमेल स्थापित करने, सीटों की व्यवस्था और न्यूनतम कोपी अनुकरण और नकल के लिए प्रश्नों के वितरण का महत्व; उत्तर देने में अनुमान लगाने से बचने की तकनीकें; वस्तुनिष्ट अंकन	6
UNIT IV: व्याख्या मापन	• व्याख्या मापन : सामान्य संभाव्यता वक्र, विषमता और कुकुद्ता • पर्सेंटाइल और पर्सेंटाइल रैंक। • मानक स्कोर, स्पीयरमैन की विधि और इसकी व्याख्या द्वारा सहसंबंध का गुणांक।	8
UNIT V: **व्यक्तित्व का विभिन्न परीक्षण और मूल्यांकन**	• उपलब्धि परीक्षण : मानकीकृत उपलब्धि परीक्षणों का निर्माण। • परीक्षण मदों के प्रकार। • बुद्धि का मापन: बुद्धि की अवधारणा, बिनेट परीक्षण, बुद्धि की अवधारणा। • बुद्धि के व्यक्तिगत और समूह परीक्षण: • योग्यता और व्यक्तित्व परीक्षण: योग्यता परीक्षण का प्रयोग - सिंहावलोकन। • रूचि सूची का उपयोग। **व्यक्तित्व का आकलन: साक्षात्कार, स्व-रिपोर्ट सूची, रेटिंग स्केल, प्रोजेक्टिव तकनीक। (नोट - अनिवार्य कोर पाठ्यक्रमों के तहत शामिल कुछ बुनियादी अवधारणाएं और आइटम पुनरावृति से बचने के लिए यहां छोड़े गए हैं, हालांकि ये प्रासंगिक हैं)।** **प्रयोगिक :** • मनोवैज्ञानिक परीक्षण का प्रशासन और परीक्षण के परिणामों की	8

	व्याख्या। • का संकल्प। किसी भी स्व-निर्मित परीक्षण की विश्वसनीयता या वैधता। **कम से कम पांच प्रकार के परीक्षण मदों के साथ एक परीक्षण बैटरी का निर्माण और छात्रों के एक वर्ग/समूह पर उसका परीक्षण करना।**	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Asthana,Biptn&Agrawal,R.N.	**1.** :Mapan ewam moolyankan.	VinodPustakMandir,Agra.
Asthana,BipinandAgrawal,R.N.	**2.** :Measurement and Evaluation In Psychology and Education,	VinodPustakMandir,Agra
Bhagwan,Mahesh	**3.** :Shiksha mein Mapan ewam moolyannkan,	VinodPustakMandirAgra
Lindeman,R.H.annd Merenda,P.F.	**4.** :Educational Measurement,	Scott foreman & Com-pany, London,
Rawat,D.L. :	**5.** Shaikshlk Mapan ki Naveen Rooprekha,	Gaya Prasadand Sons, A9ra
Sharma,R.A.:	**6.** Measurement and Evaluation In Education and psychology,	Lyall Book DepotMerrut
Sharma	**7.** Shikshatatha Manovigyan mai mapan Evam moolyankan.	Lyall Book Depot Merrut.
Verma R.S.:	**8.** Shaikshik Moolyankan.	Vinod Pustak Mandir.Agra.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED .SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24

SUBJECT

ELECTIVE 203

EDUCATIONAL ADMINISTRATION & MANAGEMENT शैक्षिक प्रशासन व प्रबन्धन

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 203 B	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• . छात्र शिक्षक शिक्षा प्रशासन की अवधारणा और चिंताओं के साथ सक्षम होते हैं। • विषय स्कूल प्रबंधन में प्रधानाध्यापक और शिक्षक की भूमिका की समझ विकसित करता है। • छात्र शिक्षक को संचार के महत्व और शैक्षिक प्रशासन में इसकी संभावित बाधाओं की अवधारणा को समझने में सक्षम बनाना। • छात्र शिक्षक को क्षेत्र के अन्य माध्यमिक विद्यालयों के कामकाज के संबंध में प्रशासनिक परिदृश्य का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम बनाना। • छात्र शिक्षक को शैक्षिक प्रबंधन की वैज्ञानिक प्रथाओं से परिचित कराना और उसे काम की स्थिति में लागू करने के लिए रखना।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20 EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: शैक्षिक प्रशासन व प्रबन्धन की अवधारणा	• अवधारणात्मक रूपरेखा: शैक्षिक प्रशासन की अवधारणा। • शैक्षिक प्रबंधन की अवधारणा मानव अनुक्रिया के रूप में , प्रक्रिया और उत्पाद अनुक्रिया के रूप में। शैक्षिक एकरूपता की प्रकृति, उद्देश्य और कार्यक्षेत्र	6
UNIT II: प्रशासन योजना, निर्देशन और नियंत्रण का आयोजन:	• धानाध्यापक/शिक्षक की भूमिका और कार्य: बुनियादी कार्य प्रशासन की योजना बनाना, निर्देशन और नियंत्रण का आयोजन। • अनुशासन का रखरखाव, नियंत्रण प्रबंधन। • समन्वय और विकास, विकास, • पर्यवेक्षण और निरीक्षण, वर्तमान पर्यवेक्षण और निरीक्षण में दोष। • शैक्षिक पर्यवेक्षण का दायरा, • पर्यवेक्षण के प्रकार। • मार्गदर्शन प्रदान करना; नेतृत्व समारोह, • प्रबंधन में संकट • निर्णय लेना।	6
UNIT III: प्रशासन और संचार की भूमिका	• शैक्षिक प्रशासन में संचार प्रभावी प्रबंधन और प्रशासन में संचार की भूमिका। • संचार के तरीके। • शैक्षिक प्रशासन में संचार की बाधाएं। शैक्षिक प्रशासन में संचार और प्रभावी संचार में आने वाली बाधाओं पर काबू पाना.	6

UNIT IV: स्कूल प्रबंधन और प्रशासन	• स्कूलों का प्रबंधन: स्कूल की गतिविधियों की योजना बनाने में प्रधानाध्यापक की भूमिका, प्रबंधन के दृष्टिकोण - जनशक्ति दृष्टिकोण, लागत लाभ दृष्टिकोण, सामाजिक मांग दृष्टिकोण, सामाजिक न्याय दृष्टिकोण। • योजना तैयार करने में अन्य पदाधिकारियों और एजेंसियों की भागीदारी। • प्राधिकार और जवाबदेही का प्रत्यायोजन। • निगरानी, पर्यवेक्षण और मूल्यांकन में प्रधानाध्यापक की भूमिका। • पारस्परिक संघर्षों के समाधान में कर्मचारियों को प्रेरित करने में प्रधानाध्यापक की भूमिका। • संसाधन सृजित करने और वित्तीय मामलों के प्रबंधन में प्रधानाध्यापक की भूमिका। • स्कूल की वृद्धि और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों का इष्टतम उपयोग। • कर्मचारी विकास कार्यक्रम। • स्कूल प्रबंधन और प्रशासन में शिक्षकों की भूमिका।	8
UNIT V: शैक्षिक प्रशासन कार्य और समस्याएं	• छत्तीसगढ़ राज्य में शैक्षिक प्रशासन: राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में प्रशासनिक ढांचा। • राज्य में स्कूली शिक्षा पर नियंत्रण-एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। • माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संबंध में राज्य सरकार के कार्य। • माध्यमिक विद्यालयों को नियंत्रित करने में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कार्य। **· सरकारी स्कूलों में माध्यमिक विद्यालय प्रशासन की समस्याएं।** **प्रयोगिक :** •छात्र-शिक्षक से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्कूल प्रशासन से संबंधित किसी भी मुद्दे या समस्या का अध्ययन करें। रिपोर्ट लगभग 700 शब्दों में होनी चाहिए।	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Bhatnagar, R.P. &Verma.I.B	EducationalAdministration	LyallBookDepot Meerut..
Bhatnnagar,R.R &Agrawal,Vidya	EducationalAdministration.Supervision Planning and Financing.	R.Lall nook Depot. Meerut.
Sukhiya SP	Educational Administration	Agra
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)	
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	ELECTIVE 203 ART EDUCATION कला शिक्षा		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 203 C	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	छात्र छोटी और बड़ी परियोजनाओं पर एक साथ काम करने में सक्षम होते हैं। · यह छात्रों में अभिव्यक्ति और रचनात्मकता को मुक्त करने की क्षमता विकसित कर सकता है। · वे डिजाइन के बुनियादी तत्वों से परिचित हैं। · पाठ्यक्रम के अंत में यह संवेदनशीलता और सौंदर्य प्रशंसा के प्रति एक अंतर्दृष्टि विकसित करता है। · यह कलात्मक और रचनात्मक अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य को विकसित करता है।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20
			EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: भारतीय कला का संक्षिप्त इतिहास व कला प्रशंसा	• मूर्तियां: (संक्षिप्त परिचय देने वाली प्रत्येक अवधि की कोई भी 2 मूर्तियां)। • सिंधु घाटी (उन्हें इसमें 8वीं कक्षा तक पढ़ना चाहिए) • मौर्य काल • गुप्त काल • लोक कला	8

	• आधुनिक / समकालीनकला
	• चित्रों;
	• अजंता और धार्मिक परंपराएं
	  • लघु पेंटिंग
	• समकालीन पेंटिंग
	  • लोक कला	

UNIT II: दृश्य कला.	• श्य कला का इतिहास • दृश्य कला की अवधारणा और अर्थ • 2 डी कला, तरीके और तकनीक, ड्राइंग, पेंटिंग, स्टिल लाइफ, प्रिंटिंग, लाइफ ड्रॉइंग, कंपोजिशन, कोलाज, वॉल पेंटिंग, पोस्टर, अल्पामा / रंगोली / मंद्रा / लोक कला रूप आदि। • जनजातीय कंप्यूटर ग्राफिक्स: एनिमेशन • 3-डी कला; तरीके और तकनीक: राहत कार्य, मिट्टी की मॉडलिंग, हस्त कविता, मोल्डिंग, मूर्तिकला, मिश्रित सामग्री के साथ टेराकोटा निर्माण। · 3-डी एनिमेशन। लोक / जनजातीय कला	8
UNIT III: रंगमंच	• सैद्धांतिक / नाटकीय आत्म की भावना: • नाटक के कारक; कथानक, संरचना, पात्र, उपलब्ध सामग्री, प्रदर्शन स्थान, प्रदर्शन आदि। • नुक्कड़ नाटक; पटकथा लेखन, गीत लेखन, जोकर, कार्टूनिंग। • पहचान, लिंग, रिश्ते, सामाजिक स्थिति के मुद्दे। • रंगमंच की जड़ें; अनुष्ठान, त्योहार / उत्सव, मिथक, आदिम आदमी, भाषा विकास। · आधुनिक भारतीय नाटक; प्रमुख नाटक और नाटक लेखन।	8

UNIT IV: संगीत और नृत्य:	• लाया और स्वरा; लय और नोट की बुनियादी अवधारणाएँ। • · संगीत: स्थानीय रूप से ज्ञात गीतों और नृत्यों के संदर्भ में गायन, वादन और नृत्य आमतौर पर किया जाता है। • · संगीत वाद्ययंत्र; वर्गीकरण। • विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों जैसे रेगिस्तान, पहाड़ों, जंगलों और नदी-पट्टी का संगीत। • 'नृत्य' या 'नाच' शब्द • क) शरीर के विभिन्न भागों की गति • बी) अभिव्यक्ति • ग) साहित्य • · आघाती अस्त्र • · कोई दो क्षेत्रीय नृत्य • 1. क्षेत्र का विवरण • 2. बोली • 3. वेशभूषा • 4. संगीत • 5. ताल • **विचार विमर्श**	8

1.	राजस्थानी लोक नृत्य	((संदर्भ तराना सूची CIET
2.	हिमाचल प्रदेश के लोक नृत्य	संदर्भ तराना सूची CIET
3.	हमारे वाद्य यंत्र श्रृंखला	संदर्भ तराना सूची CIET
4.	सामुदायिक गायन	संदर्भ तरंग सूची CIET)
5.	एकता का गीत (केएसएसपी)	संदर्भ तरंग सूची CIET)
6.	राजस्थान लोक	लंगा और मंगनियार
7.	कर्नाटक के विभिन्न वाद्य यंत्रों	वाद्य यंत्रों के सर्वश्रेष्ठ
8.	शास्त्रीय नृत्य	(संदर्भ तरंग सूची CIET)

UNIT V: विरासत शिल्प	• भारत की शिल्प परंपराओं का परिचय, विभिन्न शिल्पों के बारे में विवरण, उनके वर्गीकरण, क्षेत्रीय वितरण आदि। इनमें से प्रत्येक विषय में दर्शन और सौंदर्यशास्त्र, सामग्री, प्रक्रिया और तकनीक, पर्यावरण और संसाधन प्रबंधन, सामाजिक संरचना जैसे पहलुओं को शामिल किया जाएगा। अर्थव्यवस्था और विपणन। · मिट्टी, पत्थर का काम, धातु शिल्प, गहने, प्राकृतिक फाइबर बुनाई और कपड़ा बुनाई।	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
PranNathMago	ContemporaryArt inIndia: A perspective	Bookspublished by NBT
JasleemDhamija	IndianfolkArtsandCrafts	Bookspublished by NBT
Krishna Deva	Temples of NorthIndia	Bookspublished by NBT
K.R.Srinivasan	Temples ofSouthIndia	Bookspublished by NBT
AlokendranathTagore	AbhanindranathTagore	Bookspublished by NBT
Dinkar Kaushik	NandalalBose	Bookspublished by NBT
MadhuPowle	Festival of Colours	Bookspublished by NBT
BadriNarayan	Find the Half Circles	Bookspublished by NBT
Ela Datta	Linesandcolours	Bookspublished by NBT
Upinder Singh	DiscoveringIndianArt	Bookspublished by NBT
PranNathMago	ContemporaryArt inIndia: A perspective	Bookspublished by NBT
JasleemDhamija	IndianfolkArtsandCrafts	Bookspublished by NBT
Krishna Deva	Temples of NorthIndia	Bookspublished by NBT
K.R.Srinivasan	Temples ofSouthIndia	Bookspublished by NBT

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED .SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	ELECTIVE 203 CURRICULUM AND KNOWLEDGE पाठ्यक्रम व ज्ञान		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 203 D	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• यह पाठ्यचर्या की प्रकृति और पाठ्यचर्या, पाठ्य पुस्तकों और कक्षा अभ्यासों से इसके संबंध की समझ विकसित करता है • ज्ञान की प्रकृति, नैतिक मूल्यों और कौशल को समझने के लिए • शिक्षा में कार्य के स्थान की जांच करना • छात्र शिक्षा के लिए रचनावाद के निहितार्थ को समझते हैं • छात्र पाठ्यक्रम दस्तावेजों के अध्ययन के लिए एक रूपरेखा लागू करता है.	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20 EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Unit I: पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें और कक्षा	❖ एक पाठ्यक्रम क्या है? हमें पाठ्यक्रम की आवश्यकता क्यों है? ❖ पाठ्यचर्या बनाने/विकसित करने के पीछे उद्देश्य। लक्ष्य और पाठ्यक्रम; दोनों के बीच संबंध। इन दोनों और शिक्षाशास्त्र के बीच संबंध। पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें: इन दोनों के बीच क्या संबंध है? एक शिक्षक के लिए इसके क्या निहितार्थ हैं? ❖ पाठ्यक्रम का दायरा: ज्ञान, मूल्य, कौशल, स्वभाव आदि प्रत्येक के बारे में कुछ सामान्य चर्चाएँ। ❖ पाठ्यचर्या का संदर्भ/सांस्कृतिक अन्तर्निहितता: संस्कृति और	8

	सामाजिक मानदंडों के प्रसारण की एक विधा के रूप में पाठ्यचर्या। संस्कृति की विविध किस्में और उनके भीतर प्रतियोगिताएं और वाद-विवाद। सांस्कृतिक विकल्पों और पाठ्यचर्या के लिए उनके निहितार्थों के बारे में प्रश्नों में शामिल समस्याएं। संस्कृति को कौन परिभाषित करता है? पाठ्यक्रम को कौन परिभाषित करता है? (इसे शिक्षा के उद्देश्यों में विविधता पर बातचीत पर चर्चा से संबंधित करें। पाठ्यक्रम के प्रकार: उदार पाठ्यक्रम जो समझ और दृष्टिकोण विकसित करना चाहता है, व्यावसायिक पाठ्यक्रम जो कौशल पर केंद्रित है और आजीविका, मिश्रित पाठ्यक्रम की ओर अग्रसर है।	
Unit II: ज्ञान की प्रकृति	❖ ज्ञान के बारे में चर्चा का परिचय: ज्ञान क्या है? मानव प्रयास के रूप में ज्ञान: जिज्ञासा, अभ्यास और संवाद। मानव जिज्ञासा की प्रकृति, उसकी सीमाएँ; ज्ञान और सामाजिक व्यवहार के बीच जटिल अंतःक्रिया; संवाद के माध्यम से ज्ञान का निर्माण किया जा रहा है और एक बड़े समुदाय के साथ साझा किया जा रहा है। ❖ विषयों/विषयों की प्रकृति और प्रत्येक में पूछताछ के रूप। ❖ ज्ञान का समाजशास्त्र: पाठ्यक्रम के माध्यम से कुछ प्रकार के ज्ञान का विशेषाधिकार और असमान सीखने के अवसरों पर इसका प्रभाव।	6
Unit III: नैतिक मूल्य	❖ मूल्य और नैतिकता की प्रकृति: मूल्य वे हैं जो लोगों को जीवन को सार्थक मानते हैं। मूल्यों और नैतिकता में ऐसे विकल्प शामिल होते हैं जो विविध और अक्सर विरोधाभासी मूल्यों को संतुलित करके प्राप्त किए जाते हैं। फिर भी, एक व्यक्ति द्वारा किया गया चुनाव दूसरे द्वारा किए गए चुनाव से बहुत भिन्न हो सकता है। अधिकांश शिक्षक इस बात से सहमत हैं कि छात्रों को नैतिक निर्णय लेने के कार्य के साथ गंभीरता से संलग्न होने की आवश्यकता है, वे यह भी मानते हैं कि मूल्यों के एक समूह का प्रचार करना सबसे अच्छा है या पाखंड को सबसे खराब तरीके से बढ़ावा देना है।	8

	❖ एक बहु-सांस्कृतिक, बहु-धार्मिक और लोकतांत्रिक समाज में नैतिकता: विभिन्न संस्कृतियों/धर्मों की अलग-अलग मूल्य प्रणालियाँ और प्राथमिकताएँ होती हैं। क्या इनमें से कोई एक विद्यालय में नैतिक शिक्षा का आधार बन सकता है? क्या विभिन्न मूल्य प्रणालियों के बीच संवाद के लोकतांत्रिक मानदंड हो सकते हैं? नैतिक शिक्षा के उद्देश्य: क्या यह मूल्यवान है या छात्र को नैतिक निर्णय लेने के लिए प्रशिक्षित करने के बारे में जानकारी प्रदान करना है या क्या यह छात्र में नैतिक व्यक्ति बनने की इच्छा पैदा करना है? क्या इस बात की जांच होनी चाहिए कि नैतिक होना पाठ्यचर्या का हिस्सा क्यों कठिन है?	
Unit IV: पाठ्यचर्या और उत्पादक कार्य	❖ कार्य को एक उत्पादक गतिविधि के रूप में समझना जिसका उद्देश्य मूर्त वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन करना है। हाल के दिनों में काम की प्रकृति बदलना। क्या 'काम' शिक्षा के साथ असंगत है? ❖ उत्पादक कार्य के माध्यम से शिक्षा की गांधीवादी धारणा और इसके वास्तविक कार्यान्वयन के अनुभव की समीक्षा। क्या हम पारंपरिक शिल्प को आधुनिक औद्योगिक कार्यों से प्रतिस्थापित कर सकते हैं? गांधीवादी धारणा से लेकर 'सामाजिक रूप से उपयोगी उत्पादक कार्य' (SUPW) तक। ❖ व्यावसायिक शिक्षा: रोजगार के एक विशेष क्षेत्र की तैयारी के रूप में शिक्षा बनाम सामान्य रूप से वयस्क जीवन की तैयारी के लिए उदार शिक्षा। सामान्य शिक्षा के एक भाग के रूप में कई क्षेत्रों के कार्य कौशल के संयोजन की संभावना। पाठ्यचर्या में कार्य का स्थान - वास्तविक सजीव संदर्भों में ज्ञान, कौशल और मूल्यों को एकीकृत करने में इसकी भूमिका। पाठ्यक्रम से इसकी अनुपस्थिति का निहितार्थ।	8

Unit V: पाठ्यचर्या दस्तावेजों की समीक्षा के लिए ढांचा	❖ मानव और त्वरित समाज के प्रति द्रष्टिकोण ❖ छात्रों और शिक्षकों की भूमिका को देखना ❖ ज्ञान और सीखने की प्रकृति को देखना ❖ अध्ययन के क्षेत्र (विषय) और उन्हें सीखने के उद्देश्य ·शिक्षा में मूल्यांकन और मूल्यांकन की भूमिका को देखना प्रयोगिक: ✓ एक विद्यालय में ज्ञान निर्माण की एक सहयोगी कक्षा का संचालन करना और उसके आधार पर एक रिपोर्ट तैयार करना। (कुछ उदाहरण विषय: 'आइए पता करें कि हम सभी किस तरह का खाना खाते हैं और आनंद लेते हैं।' या 'हमारे परिवार की प्रकृति क्या है?' या 'मक्खी और चींटी में क्या अंतर है?' या चलो हिंदी भाषा में मर्दाना और स्त्रीलिंग के इस्तेमाल के नियम जानें।') ✓ विभिन्न पाठ्यक्रम दस्तावेजों का तुलनात्मक अध्ययन। जिस स्कूल में छात्र शिक्षक को इंटर्न किया गया है, उसमें राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे, पाठ्य पुस्तकों और कक्षा कक्ष प्रथाओं की तुलना करते हुए एक रिपोर्ट तैयार करें। कक्षा अभ्यास किस हद तक पाठ्य पुस्तकों में निर्धारित पाठ्यचर्या के उद्देश्यों या उद्देश्यों को पूरा करता है?	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
NCFW	NationalCurriculumFramework	NCERT 2005, (Chapter 2)
PositionPaper,	PositionPaper,NationalFocusGrouponCurriculum,SyllabusandTextbooks	NCERT, 2006
PositionPaper,	Position Paper,NationalFocusGrouponWorkand Education	NCERT, 2007
John Dewey,	DemocracyandEducation	
रोहित धनकर,	लोकतंत्र, शिक्षा और विवेकशीलता,	आधार प्रकाशन,जयपुर, 2007
रोहित धनकर,	शिक्षाके संदर्भ	आधार प्रकाशन,जयपुर, 2007
Christopher Winch	PhilosophyandEducationPolicy,	chapter1 & 2. Routledge,2005.
RobinBarrow.	AnIntroduction to MoralPhilosophyand Moral Education.	Routledge, 2007.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED .SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24

SUBJECT :

EDUCATIONAL TECHNOLOGY AND MANAGEMENT शैक्षिक तकनीकी व प्रबन्धन

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 204	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• आधुनिक शैक्षिक पद्धतियों में प्रौद्योगिकियों की भूमिका का समग्र दृष्टिकोण प्राप्त करना। • शिक्षण प्रथाओं में सुधार के लिए छात्र-शिक्षक को उनके लिए उपलब्ध विभिन्न तकनीकी अनुप्रयोगों से लैस करना। • शिक्षक को शिक्षा में वैज्ञानिक प्रबंधन की उसकी भूमिका का कुल लिंग प्राप्त करने में मदद करना। • शिक्षक को प्रभावी शिक्षण और संस्थागत प्रबंधन के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना। • शैक्षिक, दंडात्मक और आभासी तीन प्रारंभिक क्षेत्रों में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक व्यावसायिक कौशल विकसित करना।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL : 20 EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Unit –I: **शैक्षिक तकनीकी की अवधारणा**	❖ अर्थ ❖ प्रकृति ❖ दायरा (क्षेत्र) ❖ प्रकार ❖ कार्य छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में शैक्षिक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता	6

Unit –II: **सम्प्रेष्ण तकनीकी**	❖ अवधारणा ❖ प्रकृति ❖ प्रक्रिया ❖ सिद्धांत ❖ कॉम्पोनेट्स ❖ प्रकार ❖ बाधाएं ❖ □ संचार का तरीका: एसएमसीआर मॉडल और एसएल, डब्ल्यू आर, वीओ। ❖ (बोलें, सुनें, लिखें, पढ़ें, दृश्य और अवलोकन करें) कौशल आधारित अधिगम - माइक्रो टीचिंग।	8
Unit -III **प्रणाली उपागम**	❖ अवधारणा और विशेषताएं ❖ प्रणाली दृष्टिकोण, ❖ प्रणाली विश्लेषण, ❖ **प्रणाली संरचना** - **एक अनुदेशन प्रणाली के भौतिक संसाधन** - संकल्पना - - वर्गीकरण (परियोजना/गैर परियोजना/हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर) - हार्डवेयर- चॉकबोर्ड, टेप रिकॉर्डर, शैक्षिक रेडियो, शैक्षिक टेलीविजन, वीसीआर, इंस्टेंट स्लाइड मेकर, ओएचपी, फिल्म स्ट्रिप, स्लाइड प्रोजेक्टर, इंटरएक्टिव वीडियो, कंप्यूटर, रिप्रोग्राफिक उपकरण। सॉफ्टवेयर - स्क्रिप्ट (ऑडियो और वीडियो), स्लाइड, प्रोग्राम, लर्निंग मैटेरियल्स, फिल्म स्ट्रिप्स, ट्रांसपरेंसीज, न्यूजपेपर, टेक्स्ट बुक्स, मैप्स कंप्यूटर (एमएस वर्ड) का उपयोग और अभ्यास, आदि।	10
Unit –IV **शैक्षिक तकनीकी में नवाचार**	❖ भाषा प्रयोगशाला ❖ टेली कॉन्फ्रेंसिंग ❖ □ मल्टीमीडिया, वेब आधारित शिक्षा, www. ❖ कंप्यूटर नेटवर्किंग, सीएआई ❖ □ ई लर्निंग:, ऑन लाइन लर्निंग मैनेजमेंट और ई-लर्निंग का	8

	कार्यान्वयन कृत्रिम बुद्धि की अवधारणा और सीखने में उपयोग। **-रणनीति- मस्तिष्क- तूफान, चर्चा, संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला**	
Unit –V **शैक्षिक प्रणाली और प्रबंधन के मानव संसाधन**	स्कूल प्रणाली के भीतर और बाहर मानव संसाधन, संसाधनों की पहचान **शिक्षा में प्रबन्धन का अर्थ :** - -पाठ्यक्रम का प्रबंधन, सह-पाठ्यक्रम का प्रबंधन, स्कूल अनुशासन का प्रबंधन और भौतिक संसाधनों का प्रबंधन। **- संस्थानों के प्रदर्शन प्रोफाइल का विकास** **कार्य :** **1. टर्म पेपर / संगोष्ठी** **2. सॉफ्टवेयर विकसित करना - पारदर्शिता/स्लाइड/स्क्रिप्ट/परिदृश्य** **3. हार्डवेयर को संभालने पर कार्यशाला** **4. कम लागत / तात्कालिक सामग्री तैयार करना** 5. पाठ का संचालन - ओएचपी/स्लाइड प्रोजेक्टर या कंप्यूटर का उपयोग करना	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Brown, J.W,Lewis Pb. 7 harclerac :	AV Instructional Technology	: McGraw Hills,newYork.
Davies,I.K.	The Management of Learning.	McGraw hills,New York.
Goel,D.R	Educational TVinIndia – Organisation and Wilization, Unpublished post	Doctoral Thesis, M.S. University of Baroda.
Jerone, P.L&Clarence, M.W	A Guide to programmed Instruction,	J. Willey&sons,New York
Richmond, W. Kenneth:	The concept of educational Technology, A Dialogue with yourself,	London,WeldenfeldandNicols, 1970.
Sharma,R.A. :	Technology of Teaching,	Meerut,LyallBookDepot, 1986.
Singh P.:	Cybernetic Approach to Teaching; The progress Education,	Pune,May1984.
Smith K.U : Snd smithmarget,F	Cyberneticprinciples of learning and Evaluation,	New York,Holt,Rinehartand Winston, 1966
Taber J.J., Glaser F4&Schasffer,H.N:	learningandprogrammedInstruction,	AddisonWaler ReadingMassachuset, 1965
Brown, J.W,Lewis Pb. 7 harclerac	: AVInstructionalTechnology:	McGraw Hills,newYork.
Davies,I.K.	The Management ofLearning	,McGraw hills, New York.
Goel,D.R	Educational TVinIndia – Organisation and Wilization, Unpublished post	doctoralThesis, M.S. UniversityofBaroda.
Jerone, P.L&Clarence, M.W.:	A Guide to programmedInstruction	.J. Willey&sons,New York
Richmond, W. Kenneth:	The concept ofeducational Technology, A Dialogue withyourself,London,	WeldenfeldandNicols, 1970.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PRACTICAL प्रायोगिक		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED.205 A , B, C
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• विद्यार्थी को विभिन्न कौशलों के बारे में समझने में सक्षम होना चाहिए। • शिक्षण सामग्री और शिक्षण कौशल के साथ उनके संयोजन में सहायता करता है। • शिक्षण कौशल के प्रकार और उनके व्यावहारिक पहलू। • सूक्ष्म शिक्षण का महत्व। • विभिन्न शिक्षण स्थितियों में शिक्षण कौशल का उपयोग करने का प्रभाव। • प्रभावी शिक्षण कौशल का चयन कैसे करें। • स्कूल के अनुभव और वास्तविक स्थिति में उनके उपयोग। • भिन्न प्रकार के प्रश्न कैसे तैयार करें,
5.	CREDIT VALUE	2
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS:50 / INTERNAL :50 / EXTERNAL:Nil

PART B- CONTENT OF COURSE

Work	TOPICS	NUMBER OF LECTURES
Micro teaching on skills of teaching **205 A**	**Micro Teaching on Skills of Teaching (any5 skill)** Ex. Introduction प्रस्तावना Explanation व्याख्या Question skill प्रश्न कौशल Probing question खोजपूर्ण प्रश्न Blackbord skill श्यामपट कौशल Stimules varience उत्तेजना भिन्नता Reinforcement and other relevant skill.पुनर्बलन और अन्य प्रासंगिक कौशल।	8

Internship (4weeks) school experience शाला अनुभव 205 B	अ) स्कूल दस्तावेजों का अवलोकन बी) मेंटर की रिपोर्ट	
Preparation of Question Bank 205 C	○ **प्रश्न बैंक:** ○ स्कूल विषय पर एक प्रश्न बैंक रिकॉर्ड फ़ाइल तैयार करें। (शिक्षाशास्त्र के अनुसार) (न्यूनतम 20 प्रश्न) ○ न्यूनतम 10 प्रश्न एमसीक्यू (MCQ) ○ (प्रश्नों को विकसित करने के लिए गूगल फॉर्म का उपयोग)	

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
NCERT	All NCERT Science Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT Maths Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT Hindi Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT English Text Books from class IXtoXII.	. New Delhi
NCERT	All NCERT Social Science Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
B k Passi	Micro teaching	
R A Sharma	Micro teaching	Agra
CG	All Text books for practice	CG Board
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		